

वर्ष:- 04
अंक:-146
मुरादाबाद
(Monday)

16 September 2024

पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

रांची में पीएम मोदी का ‘जावा’ के साथ स्वागत बोले- इस शुभ दिन झारखंड को विकास का नया आशीर्वाद मिला

पीएम मोदी ने कहा कि अब देश की प्राथमिकता देश का गरीब है। अब देश की प्राथमिकता देश का आदिवासी है। अब देश की प्राथमिकता देश का दलित, वंचित और पिछड़ा समाज है। अब देश की प्राथमिकता महिलाएं हैं, युवा हैं, किसान हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को झारखंड के रांची से 660 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं की वर्युअल (डिजिटल या ऑनलाइन) माध्यम से शुरुआत की। पीएम मोदी ने देवघर जिले में मधुपुर बाइपास लाइन और हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने केजरीवाल के इस्तीफे को पीआर स्टंट बताया; कहा- कोर्ट की शर्तों ने इस्तीफे के लिए मजबूर किया

दिल्ली आबकारी नीति मामले में कई महीने तक जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर आए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के एलान ने हर किसी को चौंका दिया है। जहां एक तरफ आम आदमी पार्टी इसे अगिपरीक्षा बता रही है। वहीं, भाजपा ने इसे केजरीवाल का पीआर स्टंट बताया है। दिल्ली आबकारी नीति मामले में जमानत पर बाहर आए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने पद से इस्तीफे का एलान के बाद दिल्ली की सियासत गरमा गई है। भाजपा ने इस पीआर स्टंट बताया है। भाजपा का कहना है कि केजरीवाल को कोर्ट की शर्तों ने इस्तीफे के लिए मजबूर किया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, ‘यह अरविंद केजरीवाल का पीआर स्टंट है। वह समझ गए हैं कि दिल्ली की जनता के बीच उनकी छवि कैसी है एक ईमानदार नेता की नहीं बल्कि एक भ्रष्ट नेता की। आज पूरे देश में आम आदमी पार्टी एक भ्रष्ट पार्टी के रूप में जानी जाती है, अपने पीआर स्टंट के तहत वह अपनी छवि को बहाल करना चाहते हैं। इससे साफ है कि वह सोनिया गांधी मॉडल लागू करना चाहते हैं। जहां उन्होंने मनमोहन सिंह को डमी प्रधानमंत्री बनाया और पदों के पीछे से सरकार चलाई। उन्हें आज समझ आ गया है कि आम आदमी पार्टी दिल्ली चुनाव हार रही है और दिल्ली की जनता उनके नाम पर वोट नहीं दे सकती, इसलिए वे किसी और को बलि का बकरा बनाना चाहते हैं।

मोदी ने कुरकुरा-कनारोन दोहरीकरण परियोजना भी राष्ट्र को समर्पित की। यह बंडामुंडा-रांची एकल लाइन खंड और रांची, मुंरी एवं चंद्रपुरा स्टेशन के माध्यम से गुजरने वाले राउकेला-गोमोह मार्ग का हिस्सा है। इस दौरान पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने अपने कान पर एक जावा



की कामना करती हैं। मैं झारखंड के लोगों के कर्मा पर्व की कायों के लिए बधाई देता हूं। देश की प्राथमिकता देश का दलित, वंचित और पिछड़ा समाज- पीएम मोदी ने कहा कि अब देश की प्राथमिकता देश का गरीब है। अब देश की प्राथमिकता देश का दलित, वंचित और पिछड़ा समाज है। अब देश की प्राथमिकता देश का दलित, वंचित और पिछड़ा समाज है। अब देश की प्राथमिकता देश का दलित, वंचित और पिछड़ा समाज है।

जो बहुत पिछड़े हैं। रेलवे नेटवर्क का 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन-प्रधानमंत्री ने कहा कि आज झारखंड भी उन राज्यों में शामिल हो गया है, जहां रेलवे नेटवर्क का 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत झारखंड के 50 से अधिक रेलवे स्टेशनों का भी कायाकल्प किए जा रहे हैं। करमा पूजा और जावा के बारे में जानिए- करमा पूजा झारखंड का एक अहम त्योहार है। सरहुल के बाद करमा झारखंड का दूसरा सबसे बड़ा प्रकृति पर्व है। करमा पूजा भाद्र मास की एकादशी तिथि को धूमधाम से मनाया जाता है। हालांकि, इसकी धूम पांच से सात दिन तक रहती है। यह पर्व प्रकृति की पूजा है, लेकिन इसे भाई-बहन के प्यार के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बहनें जावा उठाती हैं और हर ओर करमा के गीत गूंजने लगते हैं। दरअसल, करमा पूजा के ठीक सात दिन पहले महिलाएं सुबह-सुबह नदी या तालाब जाती हैं। वे अपने साथ बांस की टोकरी में पूजा के सामान लेकर जाती हैं। नदी या तालाब में स्नान करने बाद युवतियां उसी टोकरी में बालू उठाती हैं। फिर इसी बालू में वे गेहूं, मकई, जौ, चना, धान आदि की बुआई करती हैं। इस दौरान वे पूजा भी करती हैं। इसे ही जावा उठाना कहते हैं।

लगा रखा था। इससे जुड़ा दिलचस्प किस्सा खुद उन्होंने लोगों को बताया। उन्होंने कहा कि आज बहुत ही मंगल दिन है। इस समय झारखंड में प्रकृति पूजा के पर्व कर्मा की उमंग है। आज सुबह जब मैं रांची एयरपोर्ट पर पहुंचा तो एक बहन ने करमा पर्व के प्रतीक जावा से मेरा स्वागत किया। इस पर्व में बहनें अपने भाई की कुशलता

आज इस शुभ दिन झारखंड को विकास का नया आशीर्वाद मिला है। छह नई वंदे भारत ट्रेनें, 650 करोड़ से ज्यादा की रेलवे परियोजनाएं, कनेक्टिविटी, यात्रा सुविधाओं में सुधार और इन सब के साथ-साथ झारखंड के हजारों लोगों को पीएम आवास योजना के तहत अपना पक्का घर, मैं झारखंड की जनता जनादन को इन सभी विकास

छात्रों को बहुत लाभ होगा। इससे यहां आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियां भी तेज होंगी। पीएम जनमन योजना चलाई जा रही- पीएम ने कहा कि देशभर के आदिवासी भाई-बहनों के लिए पीएम जनमन योजना चलाई जा रही है। इस योजना के माध्यम से उन जनजातियों तक पहुंचने की कोशिश हो रही है,

सीएम योगी ने कहा, भारत ने दिया है ‘जियो और जीने दो’ का सच्चा लोकतंत्र

सीएम योगी रविवार को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों के सम्मेलनों की श्रृंखला के पहले दिन ‘लोकतंत्र की जननी है भारत’ विषयक सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। अंतिम दिन सम्मेलन के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया में जब सभ्यता, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के प्रति आग्रह नहीं था तब भारत मे सभ्यता, संस्कृति और मानवीय जीवन मूल्य चरम पर थे। भारतीय सभ्यता और संस्कृति प्राचीन काल से लेकर अर्वाचीन काल तक लोकतांत्रिक मूल्यों से परिपूर्ण रही है। इसका उद्देश्य किसी का हर्षण करना या किसी पर जबरन शासन करना नहीं था बल्कि इसकी भावना ‘सर्वे भवंतु सुखिनः’ की रही है। इसका नया स्वरूप आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘सबका साथ सबका विकास’ के संकल्प में दिखता है। हमारी ऋषि परंपरा जियो और जीने दो की रही है क्योंकि यही सच्चा लोकतंत्र है और इस



मूल्यपरक लोकतंत्र को किसी और ने नहीं बल्कि भारत ने दिया है। सीएम योगी रविवार को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों के सम्मेलनों की श्रृंखला के पहले दिन ‘लोकतंत्र की जननी है भारत’ विषयक सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह का अभिनंदन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र को लेकर वैदिक कालखंड से लेकर रामायणकालीन और महाभारतकालीन अनेक उद्धरण देखने को मिलते हैं। भारत के लोकतंत्र में प्राचीन समय से लेकर आज तक जनता की

आवाज और जनता के हित को ही सर्वोपरि रखा गया है। भारतीय सभ्यता में हमेशा ही यह कह गया है कि प्रजा का सुख ही राजा का दायित्व है। रामायण काल में भगवान श्रीराम ने भी अक्षरशः जनता की आवाज को महत्व दिया। भगवान श्रीकृष्ण ने भी खुद को कभी राजा नहीं समझा। उनके समय में वरिष्ठ व्यक्ति के नेतृत्व में गणपरिषद शासन का कार्य देखती थी। द्वारिका में जब अंतर्द्वंद्व प्रारंभ हुआ तब इस परिषद के सदस्य आपस में लड़कर मर-मिट गए। उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने परिषद के सदस्यों की दुर्गति पर कहा था कि राज्य के नियम प्रत्येक नागरिक पर समान रूप से लागू होते हैं। लोकतंत्र में जनता का हित ही सर्वोच्च-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि

देश में कुछ लोगों पर गुलामी की मानसिकता आज भी हावी है। जबकि भारत में लोकतंत्र की जड़ें प्राचीन समय से ही गहरी रही हैं। उन्होंने बताया कि भारत तब गुलाम हुआ जब लोकतंत्र की विरासत को संजोने में चूक हुई। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में निरंकुश राजा को सत्ताच्युत करने का अधिकार जनता के प्रतिनिधित्व वाले परिषद के पास होता था। लोकतंत्र में यह स्पष्ट है कि जनता का हित ही सर्वोच्च है। प्राचीन काल में देखें तो वैशाली गणराज्य इसका एक उदाहरण है जहां पूरी व्यवस्था जनता के हितों के लिए समर्पित थी। भारतीय मूल्यों और संस्कारों से ही चल रहा लोकतंत्र-हरिवंश नारायण- ‘लोकतंत्र की जननी है परंपरा- राज्यसभा के उपसभापति ने कहा कि भारत में वेद, पुराण, उपनिषद की और ऋषियों की परंपरा के मूल्य थे। हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में धर्म मार्गदर्शक की भूमिका में था इसलिए हमारे यहां आतताई शासकों का वर्णन नहीं मिलता है। राजा, देवता, जनता सभी धर्म से बंधे थे। भारत मे त्याग और नैतिकता की परंपरा रही है। इसीलिए राजा सर्वशक्तिमान होकर भी स्वेच्छाचारी नहीं था। चक्रवर्ती सम्राट को भी धर्मदंड से चेतावनी दी जाती थी।

‘दो दिन बाद दूंगा दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा’, सीएम अरविंद केजरीवाल का बड़ा एलान

आप दफ्तर से कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आज से दो दिन के बाद मैं सीएम पद से इस्तीफा दूंगा। मैं तब तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा, जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती कि केजरीवाल ईमानदार है। सुप्रीम कोर्ट से आबकारी नीति घोटाले मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल गई। शुक्रवार को केजरीवाल तिहाड़ जेल से बाहर आ गए। शनिवार को केजरीवाल ने पत्नी संग हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की और बजरंगबली का आशीर्वाद लिया। जिसके बाद आज केजरीवाल आप कार्यालय पहुंचे हैं। यहां सीएम आप कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान केजरीवाल ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि वे दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा देंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवान का हम सभी के ऊपर बहुत आशीर्वाद रहता है। इसी वजह से हम लोग बड़ी-बड़ी मुसीबतों से लड़कर और जीतकर आते हैं। इसके साथ मैं उन लाखों लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने हमारे साथियों के लिए दुआएं की। भाजपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग जेल भेजकर आम आदमी पार्टी को तोड़ना चाहते थे। जेल में रहकर मेरा हौसला बढ़ा है। जेल से एलजी को पत्र लिखा। एलजी को पत्र लिखने पर मुझे धमकी दी गई। परिवार की मुलाकात रोकने की धमकी दी गई। सीएम अरविंद



केजरीवाल ने कहा, मैं दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं। जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती, मैं सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा। उन्होंने कहा कि मैं और मनीष सिसोदिया जनता के बीच जाएंगे। दिल्ली विधानसभा भंग नहीं होगी। मेरी जगह कोई और सीएम होगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा, इन्होंने(भाजपा) एक और नया फॉर्मूला बनाया है जहां जहां ये चुनाव हारे वहां-वहां के मुख्यमंत्री पर फर्जी केस करके गिरफ्तार कर लो और उसकी सरकार गिरा दो। इन्होंने सिद्धारमैया, पिनाराई विजयन, ममता दीदी पर केस कर रखे हैं। ये एक विपक्ष के मुख्यमंत्री को नहीं छोड़ते सभी पर फर्जी केस करके जेल में डालते हैं और सरकार गिरा देते हैं। सीएम ने कहा कि मैं देश के सारे गैर भाजपा मुख्यमंत्रियों से हाथ जोड़ कर विनती करना चाहता हूं अब अगर प्रधानमंत्री फर्जी केस करके आपको जेल में डालें तो इस्तीफा मत देना। किसी हालत में इस्तीफा मत देना, जेल से सरकार चलाता। ऐसा नहीं है कि हम पद के लालची हैं इसलिए

क्योंकि हमारे लिए हमारा संविधान जरूरी है जनतंत्र को बचाना जरूरी है। इतनी भारी बहुमत से चुनी सरकार को आप जेल में डालकर कहोगे इस्तीफा दे। अरविंद केजरीवाल ने कहा, %कुछ लोग कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई पारबंदियों के कारण हम काम नहीं कर पाएंगे। यहां तक कि उन्होंने भी हम पर पारबंदियां लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अगर आपको लगता है कि मैं ईमानदार हूं, तो मुझे बड़ी संख्या में वोट दें। मैं चुने जाने के बाद ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा। चुनाव फरवरी में होने हैं। मैं मांग करता हूं कि नवंबर में महाराष्ट्र चुनावों के साथ चुनाव कराए जाएं। चुनाव होने तक पार्टी से कोई और मुख्यमंत्री होगा। अगले 2-3 दिनों में विधायकों की बैठक होगी, जिसमें अगले मुख्यमंत्री पर फैसला होगा। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा, भाजपा देश का सबसे बड़ा राजनीतिक कुचक्र रच रही थी कि एक चुने हुए मुख्यमंत्री और उसकी टीम को जेल में डालो और उसकी पूरी पार्टी को खत्म कर दो। अगर आप सच्चाई के रास्ते पर चल रहे हो तो आप ईश्वर के रास्ते पर चल रहे हो। जब आप ईश्वर के रास्ते पर चल रहे हो तो ईश्वर की ताकत आपके साथ होती है। ताकत हम सबके साथ है। भाजपा वालों ने शराब घोटाला नाम की मनोहर कहानी लिखी थी उसका आखिरी पूर्ण विराम सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को जमानत देकर लगा दिया।

‘दस वर्षों में लोकतांत्रिक ढांचे को खत्म करने का संगठित प्रयास हुआ’, खरगो ने कहा- अब सावधान रहना होगा

कांग्रेस अध्यक्ष ने भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के कथन का जिक्र करते हुए कहा कि %लोकतंत्र सरकार का सबसे अच्छा रूप है। यह लोगों को यह बताने का अधिकार देता है कि वे कैसे शासन करें और कैसे अपने नेताओं को जवाबदेह ठहराएं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगो ने रविवार को कहा कि 2024 भारत के लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण साल है। जब 140 करोड़ भारतीयों ने ऐसा फैसला दिया है जो हमारे मेहनत से बनाए गए हमारे लोकतांत्रिक खरगो ने आरोप लगाया कि बीते 10 वर्षों में खत्म करने का संगठित प्रयास हुआ। कांग्रेस प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के कथन का जिक्र करते हुए कहा कि %लोकतंत्र सरकार का सबसे अच्छा रूप है। यह लोगों को यह बताने का अधिकार देता है कि वे कैसे शासन करें और कैसे अपने नेताओं को जवाबदेह ठहराएं। 2024 के आम चुनाव परिणामों को लेकर खरगो ने कहा कि %वर्ष 2024 भारत के लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष है। 140 करोड़ भारतीयों ने ऐसा फैसला दिया है जो हमारे राष्ट्र निर्माताओं द्वारा कड़ी मेहनत से बनाए गए हमारे दीर्घकालिक संस्थानों पर विश्वास करता है। अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में खरगो ने लिखा कि %अब हमें अपने संसदीय लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों को बनाए रखने और उन लोकचार्जों की रक्षा करने के लिए और अधिक सतर्क रहना होगा, जिनमें हम, %भारत के लोग% सामूहिक रूप से विश्वास करते हैं। अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर, आइए हम भारत के प्रति खुद को फिर से समर्पित करें, जिसमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के सिद्धांत शामिल हैं। साल 2007 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया था। उसके बाद से हर साल 15 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाते हुए लोकतंत्र के प्रति लोगों को जागरूक करने का काम किया जाता है।



संपादकीय

Editorial

Is stubbornness more important or life?

Doctors in Kolkata have still not returned to work. The Bengal government's efforts for dialogue and compromise were foiled by the stubbornness of the protesting doctors. One dramatic development that has come to light is that Chief Minister Mamata Banerjee has, with folded hands, apologised to the people of Bengal. If the public wants, she is even ready to resign from the post of Chief Minister. She has said that she is not 'chair-hungry' but is in favour of justice. However, the parents of rape-murder victim Doctor Bitiya and the protesting doctors never demanded the resignation of Chief Minister Mamata Banerjee. The opposition has tried to do politics by making it an issue. The justice of doctors is of a different kind, so that Doctor Bitiya's soul can find peace. The doctors had gone to the secretariat to talk to the Chief Minister. Their number is said to be 32, whereas the government had invited only 15 doctors as representatives. However, the Bengal government allowed that number as well. State Chief Secretary Manoj Pant and Director General of Police Rajiv Kumar kept explaining to the doctors why it was necessary to break this series of protests. Live telecast of the conversation is not possible. However, the conversation will definitely be recorded, but the angry doctors kept asking why the government is afraid of live telecast? The doctors reached the corridor of the 'Nabanna' secretariat, but did not go inside the room where Chief Minister Mamata Banerjee was waiting for the agitating doctors for 2.10 hours. As a result, the bridge of dialogue that was built collapsed. The doctors returned and sat at the protest site. The Chief Minister even offered to resign and apologized to the people of Bengal that she failed to bring the doctors back to duty. This could also be Mamata Banerjee's 'emotional politics', so that most people do not get angry with her and do not become adamant on ending their support! Opposition parties in different parts of Bengal are protesting aggressively and demanding the resignation of the Chief Minister. Not only are the doctors agitating, but various social movements have also started in their support, so there is a state of anarchy in the state. There are crowds on the roads, and there are policemen too. Separate cases are going on in the courts. Mamata has tried and tested this politics. Anyway, the doctors' agitation has now taken the form of obstinacy. The time given by the Supreme Court to them to return to work has passed. The apex court is fighting for the concerns of the doctors, but the agitators do not have faith. This is not only obstinacy, but also contempt. Doctors have started playing with lives, because 27 people have died prematurely so far due to lack of treatment in RG Kar Hospital and more than 7 lakh people are affected. Certainly, the whole country has been angry and agitated over the incident of Doctor Bitiya, and numerous protests have also been held. There is sympathy and compassion with the doctors because the safety of the doctors is indeed a matter of concern, but leaving work and continuing with the agitation or taking out a procession or sitting idle on a dharna despite being a doctor is actually turning away from one's professional commitment. Doctors can protest even while treating people's diseases. There are many symbols of protest. Doctors can protest even while working by tying a black band on their arms. Although the Supreme Court has given the government permission to take action against the agitating doctors, the Bengal government is still humble because the government has to tolerate many types of protests. 33 days of the agitation have passed. The CBI has also made some important arrests. The investigation is also reaching its conclusions.

Manthan:

Elections in Sri Lanka and South Asian balance, eyes of US-China and India

The US, China and India are especially eyeing the elections to be held in Sri Lanka on September 21, as it will reveal which winner can benefit which country. However, whoever wins, the first challenge will be to bring the economy back on track. Sri Lanka's economy has left politics behind there. However, after recovering to some extent from the economic recession of the year 2022, preparations are underway for the presidential election in Sri Lanka. The voting to be held on September 21 can bring forth a broad perception about which winner can benefit which country. Three big players like India, US and China are active in the South Asian region. The question before Sri Lanka's 1.7 crore eligible voters is whether they will choose their old leadership, which was mainly responsible for the economic crisis, or choose a new leader for change. Since there are 38 candidates in the fray, it has become difficult to assess. Sri Lanka declared bankruptcy in April 2022 with a debt of \$83 billion. More than half of its debt was to foreign lenders. Sri Lanka is also seeking a relief of \$2.9 billion from the International Monetary Fund (IMF). The terms of the relief package are also being discussed in the elections. The economy is expected to grow by three percent in 2024 after a decline of 2.3 percent last year. Current President Ranil Wickremesinghe, who has been prime minister six times, is contesting as an independent candidate after a split in his party United National Party (UNP). The country's economy has partially improved during his two years of rule. As inflation and shortage of goods persist, the election is being seen as a referendum on his rule. But he is at a disadvantage, as he has been associated with old leaders whom the people of Sri Lanka blame for the economic collapse. He is facing a tough challenge from the leader of the opposition in Parliament. In addition, he is also facing a challenge from a powerful coalition of leftists who are quite popular among the youth. His two biggest rivals are Sajith Premadasa and Anura Kumara Dissanayake of the Samagi Jana Balawegaya (SJB) party. Dissanayake, the leader of a Marxist-led coalition called the National People's Power (NPP), is fast emerging as the main challenger to Wickremesinghe. He is also getting the support of some of the people who participated in the 2022 protests. Dissanayake, a former leftist, now promises economic freedom and welfare measures for the working classes. Political analysts consider him a strong contender as he does not belong to the business and political elites who ran the country in the past. Sajith Premadasa, who was Wickremesinghe's vice president, is now leading the breakaway UNP. Premadasa has promised changes to reduce the burden on poor people along with continuing the IMF program. He has tried to woo the Tamil community by promising to hand over power to them. Tamils, who make up about 11 percent of the country's population, are still recovering from a failed violent movement. Forgetting the past, young Tamils ??participated in the 2022 movement, whose memories are still fresh. That peaceful movement with the participation of youth ousted Gotabaya and the powerful Rajapaksa family from power, although Gotabaya had a majority. The powerful Rajapaksa family has fielded Naman, son of former Prime Minister and former President Mahinda. Naman blames the Covid-19 pandemic, not his family, for the economic crisis. His entry into politics will reveal the influence of the family, as father Mahinda crushed the Tamil armed separatist movement in 2009. The result of the election can come by the evening of 22 September. Voters can choose three candidates of their choice. First the first preference will be counted and the candidate who gets more than 50 percent of the valid votes will be declared the winner. If there is no clear winner, the first two candidates will remain in the race, and ballots that choose other candidates for the first position will be checked to see if any of the top two contenders are second or third choices. Those votes will be added to the numbers for the remaining two candidates. The candidate with the most votes will be declared the winner. Now look at the bigger picture, which shows the role of regional players, as is also the case in Nepal and the Maldives. Writing in The Diplomat, Rathindra Kuvitha said that China-Sri Lanka relations have strengthened when a leftist party or politician is in power in Colombo. He says Sri Lankan political circles are well aware that even if India prefers Sajith Premadasa, the US will want to retain Wickremesinghe as its candidate. However, uncertainty remains over who China will prefer and whether it is providing financial support to either of them. Dissanayake's NPP is rooted in a centre-left political tradition. The Janatha Vimukthi Peramuna (JVP) is the dominant force in the NPP, which emerged from the pro-China wing of the Sri Lanka Communist Party in the 1960s. On the other hand, Sajith Premadasa represents a refined version of the UNP, while his SJB is a breakaway faction. Former President Ranasinghe Premadasa Sajith Premadasa, son of Prime Minister Narendra Modi, belongs to parties that have often criticised Chinese funding in Sri Lanka. "Given this historical context, it seems that China's engagement with Sri Lanka will increase under Dissanayake's presidency, while it will be more cautious under Premadasa's leadership," says Kuvitha. However, no matter who wins in Sri Lanka, it is important to improve the economy and reduce unemployment, as is also evident from recent changes in Bangladesh and the long-running crisis in Pakistan.

BSP's new strategy: Why did Mayawati mention 'Emperor Ashoka' and 'Iron Lady'? Said this for Brahmins

The party is constantly worried about the way the BSP graph has fallen in the last few elections. The results of the Lok Sabha elections held this year have forced the party to change its entire political strategy. For some time now, the party has started making new strategies regarding the continuously falling political graph of the Bahujan Samaj Party. During these strategies, BSP supremo Mayawati has mentioned everything from calling herself Iron Lady to the strong rule of Emperor Ashoka. Not only this, Mayawati has once again mentioned social engineering in caste equations and said that the upliftment of Brahmins will happen only during the reign of BSP. In fact, keeping in mind the upcoming assembly by-elections and the 2027 elections, the BSP has started distributing a 59-page booklet printed among its workers and members. In which she has also made many political revelations. The party is constantly worried about the way BSP's graph has fallen in the last few elections. The results of the Lok Sabha elections held this year have forced the party to change its entire political strategy. In this episode, the party had now decided that BSP will return to its old form. According to the plan decided by BSP, the work done during their government has been prepared through a booklet. At present, these booklets have been printed in lakhs and have been sent to every house. In this booklet, Mayawati has mentioned every work of the BSP movement started for Dalits. In this booklet, Mayawati has also targeted SP, Congress and Bharatiya Janata Party. Bahujan Samaj Party leader and former Deputy Incharge of Bundelkhand region Chandrakumar says that this booklet is being distributed to as many people as possible. So that his old colleagues and youth can know about BSP's movement. In this 59-page booklet, Mayawati has also targeted Rahul Gandhi's stay at a shoe repair shop by calling it politics. With this entire incident, she told her Dalit community that why should people of only one particular caste do the work of shoe making and repairing on the basis of their birth. She has also said a big thing for Brahmins in this booklet and tried to connect them through her social engineering. Through this booklet, Mayawati has said that there is no upliftment of Brahmins in SP, Congress and BJP. According to its political strategy, Bahujan Samaj Party has once again taken the help of the booklet to bet strongly on Brahmins. Through this booklet, Mayawati has also revealed many reasons for the breakup of the alliance between Samajwadi Party and BSP. BSP supremo Mayawati said that SP chief Akhilesh Yadav had even stopped picking up her and her leaders' phone. Through the booklet, she tries to give a message to the people of her society that the party had decided to separate from the Samajwadi Party due to self-respect. However, Samajwadi Party's national spokesperson and former minister Rajendra Chaudhary refute this allegation of Mayawati. He says that his leader Akhilesh Yadav fulfills the religion of the alliance very well. Therefore, to say that she has stopped picking up the phone is completely baseless. During this time, Mayawati once again reminded her voters of the Lucknow guest house incident which had once caused a stir in the political corridors. Through this booklet, Mayawati has also polished her tough image very well. During this time, people have also been made to realize through the booklet that Mayawati will uplift the society by following the path shown by Baba Saheb Bhimrao Ambedkar. Mayawati has been addressed as Iron Lady in this booklet. And there is mention of getting the master key of power under the leadership of Iron Lady and the upliftment of the Bahujan Samaj. Apart from this, she has also mentioned Emperor Ashoka in her booklet. Describing Emperor Ashoka as a leader of Bahujan Hitaay Bahujan Sukhay, she has said that the India of the welfare era of that era will be created once again. In fact, BSP supremo Mayawati is in the fray in the main elections of Maharashtra, Jammu and Kashmir including Haryana and the by-elections of Uttar Pradesh. Mayawati is considering these elections as a big opportunity to regain her lost support base. This is the reason why Mayawati has planned to promote her government's schemes through a "Plan Booklet". Former BSP Zonal Coordinator Ramsanehi Chaudhary says that through this booklet, his party has started the process of knocking on every door with full strength. Every worker has come together to take forward the vision of party supremo Mayawati and the mission of BSP. However, Samajwadi Party's national spokesperson and former minister Rajendra Chaudhary refute this allegation of Mayawati. He says that his leader Akhilesh Yadav fulfills the religion of the alliance very well. Therefore, to say that she has stopped picking up the phone is completely baseless. During this time, Mayawati once again reminded her voters of the Lucknow guest house incident which had once caused a stir in the political corridors. Through this booklet, Mayawati has also polished her tough image very well. During this time, people have also been made to realize through the booklet that Mayawati will uplift the society by following the path shown by Baba Saheb Bhimrao Ambedkar. Mayawati has been addressed as Iron Lady in this booklet. And there is mention of getting the master key of power under the leadership of Iron Lady and the upliftment of the Bahujan Samaj. Apart from this, she has also mentioned Emperor Ashoka in her booklet. Describing Emperor Ashoka as a leader of Bahujan Hitaay Bahujan Sukhay, she has said that the India of the welfare era of that era will be created once again. In fact,

मूंडापांडे ब्लॉक के कई गांवों समेत हाईवे पर पहुंचा बाढ़ का पानी, अधिकारियों की उड़ी नींद बाढ़ का पानी गांव के बाहर तक आने ग्रामीणों में दहशत, मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी, दवा से लेकर नाव तक की व्यवस्था की

मुरादाबाद- शनिवार रात नौ बजे मूंडापांडे हाईवे पर बाढ़ का पानी पहुंच गया। पिछले चार दिनों से हो रही बारिश के कारण मूंडापांडे व मुरादाबाद ब्लॉक समेत कई गांवों में सुबह से बाढ़ जैसे हालात बनते दिखाई दे रहे थे। दोनों ब्लॉक के एक दर्जन से गांवों के बाहर बाढ़ का पानी दस्तक दे चुका है। वहीं मूंडापांडे ब्लॉक में जिले के सीमा के गांव हरपाल नगर में बाढ़ का पानी संपर्क मार्ग पर आने के कारण ग्रामीणों के आने जाने में बाधा उत्पन्न हो गई है। शनिवार को बाढ़ का पानी गांव में घुस जाने की सूचना पर जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने मूंडापांडे ब्लॉक के गांवों का जायजा लिया। प्रशासन की ओर से एडीएम राहत के और भी लेखपालों की देने लगा था। न ग ल ा , बाढ़ का पानी गदई खेड़ा गांव तीतरी में भी बाढ़ कुमार ने बताया सापेक्ष गांव में की नींद उड़ गई भी बंद हो चुका में रखना शुरू तंबू बांधने की तैयारी में लग चुके हैं। वहीं लोग रात को बाढ़ का पानी बढ़ने के कयास लगा रहे हैं। गांव रनियाठेर की प्रधान विजयलक्ष्मी के पति अविनाश ने गांव के लेखपाल को ग्राम पंचायतों में बाढ़ आने की सूचना दी। जिससे शनिवार को मूंडापांडे ब्लॉक के कई गांवों में एडीएम वित्त एवं राजस्व सत्यम मिश्र और तहसीलदार रामवीर सिंह पहुंचे। जहां उन्होंने कई गांव में छतों पर खेत खलियानों में जाकर बाढ़ के पानी का जायजा लिया और गांव में लोगों के बचाव के लिए इंतजाम किए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की गांव चिकित्सा व्यवस्था में कैप के इंतजाम किया। इसके अलावा कई गांवों के बीच एक नाव का चालक समेत इंतजाम किया। वहीं हरपाल नगर गांव के कोसी नदी के किनारे पर बसे होने के कारण बाढ़ के पानी गांव संपर्क मार्ग खत्म होने के बाद पानी जल्दी पहुंचने की आशंका को देखते हुए अलग नाव की व्यवस्था की गई है। मूंडापांडे ब्लॉक की कई ग्राम पंचायत कोसी नदी के किनारे पर बसी होने के कारण बाढ़ का पानी कई गांवों में दस्तक दे चुका है। मौके पर जाकर गांव में व्यवस्था के इंतजाम किए गए हैं। बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में सर्किल के सभी लेखपालों की टीम लगा दी गई है। गांव में दवा के लिए स्वास्थ्य की ओर से कैप भी लगवाए गए हैं। गांव में नाव की व्यवस्था भी की गई है।-रामवीर सिंह, तहसीलदार सदर- हाईवे पर यातायात सामान्य, प्रशासन की नजर-जिलाधिकारी अनुज सिंह का कहना है कि मुरादाबाद रामपुर हाईवे पर नदी का पानी आ गया है। लेकिन यातायात सामान्य है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों के अनुसार पानी स्थिर है। प्रशासन व पुलिस के अधिकारी मौके पर लगातार नजर रखे हैं। पूरी निगरानी की जा रही है। बताया जा रहा है कि अब पानी कम होगा। फिर भी हम स्थिति पर नजर रखे हैं। जैसी स्थिति होगी उसके अनुसार तत्काल कदम उठाएंगे।

इब्न बतूता के अमरोहा यात्रा का भी है गजेटियर में जिक्र पहले अमरोहा का नाम अमरोहू था जो बाद में अमरोहा हो गया , मुरादाबाद मंडल के गजेटियर के दूसरे खंड के पेज 80 पर अमरोहा के इतिहास का है वर्णन

मुरादाबाद- कहा जाता है कि अमरोहा को अपना नाम आम और रोहू मछली से मिला। किंवदंती के अनुसार जब शर्फउद्दीन अमरोहा आए तो उनको स्थानीय निवासियों ने आम और रोहू मछली पेश की। इससे अभिभूत होकर उन्होंने इस स्थान को अमरोहू नाम दिया जो बाद में अमरोहा हो गया। मुरादाबाद मंडल के गजेटियर के दूसरे खंड सांस्कृतिक विरासत का संकलन के पेज नंबर 80 पर वर्णित है कि अमरोहा में प्राचीन निर्माण व अवशेष मौजूद हैं। शहर के गजेटियर 1911 के अनुसार यह विशाल आकार का नीचे पानी की ओर ले जाती हैं। किनारों पर गुम्बदाकार नीचे हैं। 1904 में कुएं की मरम्मत का कार्य कराया वंश के राजा किरपानाथ को दिया जाता है। गजेटियर में यात्री इब्न बतूता ने भारत यात्रा की। सुल्तान बिन तुगलक क्रम में इब्न बतूता ने अमरोहा की भी यात्रा की थी। यात्रा विवरण का जिक्र भी गजेटियर में है। इसमें पेज बतूता बताते हैं कि मेरे लिए आदेशित 10,000 मॉन्ड शेष के लिए मुझे अमरूहा (अमरोहा) प्रदान किया गया। खम्मार के हाथों में था। सेनानायक बदख्शा के शम्स-तीन दिनों की है। यात्रा बरसात के समय में की गई। मेरे भी थे। जब हम बिजनौर पहुंचे तो वहां मुझे तीन और अपने साथ ले लिया। गजेटियर के दूसरे खंड के पेज 83 के दौरान इब्न बतूता ने शम्स अल दीन एवं अजीज-अल नियंत्रण में सहयोग दिया। इब्न बतूता ने अमरोहा में खंड में दिए तथ्यों का संदर्भ मुरादाबाद गजेटियर 1911, 1968 व पुस्तक द ट्रेवल आफ इब्न बतूता एडी 1325-1354 से लिया गया है।

ईद मिलादुन्नबी को लेकर उत्साह, आज निकलेगा जुलूस-ए-मोहम्मदी महानगर के बाजार में जमकर हो रही लाइटों व झंडों की खरीदारी, इस्लामिक झंडों से सजे मुस्लिम इलाके

मुरादाबाद- महानगर में हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन यानि ईद मिलादुन्नबी को लेकर काफी उत्साह है। मुस्लिम इलाकों में काफी जोर-शोर से तैयारियां की जा रही है। गली-मोहल्लों में बच्चों के काफिले निकल रहे हैं तो मस्जिदों में फज्र की नमाज के बाद सलातो-सलाम का नजराना पेश किया जा रहा है। लोगों ने अपने घरों को लाइटों और इस्लामिक झंडों से सजाना शुरू कर दिया है। सोमवार को महानगर में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला जाएगा। जिसके लिए बार 16 सितंबर को पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब की योम-जाएगा। जिसको लेकर मुस्लिम इलाकों में खासा उत्साह देखा जा पिछले एक सप्ताह से हो रही है। वहीं दूसरी ओर लोगों ने अपने घरों और मदर्सों, मस्जिदों और घरों पर लहराते हुए झंडे प्यारे नबी की आमद महानगर में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला जाएगा। जिसकी शुरुआत पहले शहर इमाम सैय्यद मासूम अली आजाद की अध्यक्षता में जलसा किया जाएगा। यह जुलूस दीवान का बाजार स्थित जामिया नईमिया से लेकर बच्चों में जुलूस ए मोहम्मदी को लेकर उल्लास नजर आ रहा है। पगड़ी और हजरत मोहम्मद साहब की याद से जुड़े प्रतीकात्मक सामान रही है। मोमबत्तियां और दीये भी खरीदे जा रहे हैं। वहीं जिला प्रशासन की तैयारियां पूरी कर ली है। जुलूस में शामिल नहीं होंगे बड़े वाहन व सुन्नत द्वारा जुलूस-ए-मोहम्मदी को लेकर की गई बैठक में एलान और ऑटो रिक्शा की इजाजत रहेगी। सभी लोग जुलूस में अदब के साथ झंडे लेकर पैदल ही चलेंगे। किसी भी गाड़ी की छत से लंगर अथवा किसी भी प्रकार चीज न फेंकी जाएगी। जुलूस में डीजे लगे बड़े वाहन, खाली वाहन लाना भी मना है। इन नियमों का पूरी तरह पालन किया जाएगा। हम सभी लोगों को ईद मिलादुन्नबी पर खुशी का इजहार करना चाहिए। लोग अपने घरों में चरागां करें। नज्दों नियाज पेश करें। हमें अपने प्यारे नबी की आमद पर खुशी मनानी चाहिए। हमें चाहिए कि जुलूस-ए-मोहम्मदी में अदब के साथ शामिल हो।- मुफ्ती मुस्तेजाब हुसैन कदरी



संक्षिप्त समाचार

मेहरोत्रा परिवार ने दी गणपति बप्पा को विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा

मुरादाबाद दीनदयाल नगर स्थित ए एल ब्लॉक श्री शिव दुर्गा संकट मोचन मंदिर कार्यक्रम स्थल पर दिनांक 7 सितंबर को श्री गणेश प्रतिमा की स्थापना की गई और आज दिनांक 15 सितंबर दिन रविवार को गणेश विसर्जन के लिए शोभायात्रा लेकर दीनदयाल नगर निवासी मेहरोत्रा परिवार निकले हैं और बताया है कि विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा

दरअसल बताया जा रहा है कि बार 14 वर्ष पूर्ण होने पर श्री गणेश महोत्सव मेहरोत्रा परिवार द्वारा मनाया गया है मेहरोत्रा परिवार ने ये भी बताया है कि उनकी

माता जी की प्रेरणा से यह गणेश महोत्सव इस बार भी मनाया जा रहा है दरअसल मुरादाबाद महानगर में गणपति बप्पा की गूंज दिखाई दे रही है और हर तरफ अबीर गुलाल से सराबोर महिलाएं पुरुष और बच्चे भी नजर आ रहे सड़कें भी अबीर गुलाल से रंग गई, वहीं गणपति बप्पा को विदाई देने के लिए मेहरोत्रा परिवार शोभा यात्रा लेकर निकला है वहीं शोभायात्रा में सुंदर-सुंदर झांकियां भी प्रस्तुत की गई दीनदयाल नगर वासियों ने मुरादाबाद सीएल गुप्ता स्थित रामगंगा घाट पर जाकर गंगा में गणेश भगवान की प्रतिमा को विसर्जित किया है और सभी ने जोरदार जयकारे लगाए गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ इस मौके पर अनुप मेहरोत्रा ,अतुल मेहरोत्रा ,राजीव गुप्ता, मनोज वर्मा, संजय अरोड़ा, हनी सिन्हा, सुभाष खन्ना ,रुचि मल्होत्रा, आरती मल्होत्रा , सारिका अरोड़ा, सीमा शर्मा राजेश कपूर संदीप मेहरोत्रा आदि कई भक्त मौजूद रहे

महिला की संदिग्ध हालत में मौत, पति समेत पांच पर रिपोर्ट दर्ज

मूंडापांडे थाना क्षेत्र के गांव की घटना, मृतक के पिता ने लगाया साक्ष्य मिटाने का आरोप

मुरादाबाद- मूंडापांडे थाना क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध हालत में मौत के बाद ससुरालियों ने बिना पोस्टमार्टम कराए शव दफना दिया। मामले में महिला के पिता ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या कर साक्ष्य मिटाने का मुकदमा दर्ज कराया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कुंदरकी थाना क्षेत्र के मोहल्ला गुलड़ का चौराहा निवासी नफीस अहमद रिटायर्ड प्रधानाचार्य हैं। उन्होंने अपनी बेटी अंजुम बी (35 वर्ष) का निकाह 11 साल पहले मूंडापांडे थाना क्षेत्र के गांव ककरघटा निवासी इमदाद हुसैन के साथ किया था। आरोप है कि निकाह के बाद से पति और ससुराल वाले दहेज के लिए अंजुम बी को परेशान करते थे। पति को एक कार खरीदकर दी इसके बावजूद उनकी मांग खत्म नहीं हुई। आरोपी ससुराल वाले अंजुम पर दबाव बनाकर मायके से दस लाख रुपये लाने की मांग करते थे। विरोध करने पर आए दिन उसके साथ मारपीट करते। इस बीच अंजुम बी ने तीन बच्चों फरहान, नविता और अफदाल को जन्म दिया। फिर भी ससुराल वाले उसको प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि सात सितंबर की सुबह इमदाद, उसके पिता शाहिद हुसैन, भाई सद्दाम हुसैन, दिलशाद और इस्तेकार ने मिलकर अंजुम की हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पिता नफीस अहमद और मायके से अन्य लोग पहुंचे तो शव फर्श पर पड़ा था। उन्होंने पोस्टमार्टम कराने के लिए कहा तो बेटी के ससुरालियों ने पूरे परिवार को धमकाते हुए वहां से भगा दिया। बाद में बिना पोस्टमार्टम के ही शव को दफना दिया। इसकी शिकायत मूंडापांडे थाने पर की गई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। पीड़ित ने मामले में डीआईजी से न्याय की गुहार लगाई। थाना प्रभारी मूंडापांडे आरपी शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर पति, ससुर, जेठ, देवर समेत पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए०एच०प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

विसर्जन यात्राओं का सिलसिला जारी, भक्तों ने धूमधाम से किया गणपति विसर्जन

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फरुखाबाद। गणेश महोत्सव के अंतर्गत पिछले दो दिनों से शहर में मूर्ति विसर्जन यात्राओं का जोर देखने को मिल रहा है। आज भी शहर के विभिन्न स्थानों से गणपति प्रतिमाओं को शोभायात्राओं के साथ पांचाल घाट ले जाया गया, जहां भक्तों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर गणपति का विसर्जन किया। विसर्जन से पहले घरों और पूजा स्थलों पर हवन और भंडारे आयोजित किए गए। गणेश महोत्सव अपने अंतिम चरण में है और पूरे शहर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल है। सुबह के समय मूर्तियों के सामने हवन और यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय भक्तों ने भाग लिया। इसके बाद गणेश विसर्जन यात्राएं शुरू हुईं, जो दिनभर लगातार चलती रहीं। गौरतलब है कि भगवान गणेश की मूर्तियों को 3, 7, 9, या 11 दिन के भीतर विसर्जित करने का प्रचलन है। इसी क्रम में 15 सितंबर को स्थापित गणपति प्रतिमाओं को आज धूमधाम से विदाई दी गई। भक्तों ने गणपति बप्पा से अगले वर्ष फिर से शुभागमन का आह्वान किया। यात्रा के दौरान भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, जो गुलाल उड़ाते हुए गणपति की भक्ति में डूबी रही। जयकारों के बीच भक्त गणपति को कादरी गेट से होते हुए पैदल पांचाल घाट तक ले गए और वहां विधिवत तरीके से मूर्तियों का विसर्जन किया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। नगर के मनीगंज से भी भक्तों की एक शोभायात्रा निकली, जिसमें क्षेत्रीय भक्तों ने भक्ति गीत गाते हुए पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। संतोष द्विवेदी अभय द्विवेदी अतुल वर्मा रामतीर्थ गुप्ता अमरीश गुप्ता आलोक मिश्रा अतुल गुप्ता ईशान मिश्रा राघव गुप्ता तन्मय गुप्ता मौजद रहे।

नेहरू मार्केट में बाबा खाटू श्याम संकीर्तन का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच-राकेश गुप्ता

शामली गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नेहरू मार्केट व्यापारियों एवं युवा मंडल द्वारा बाबा खाटू श्याम का संकीर्तन नेहरू मार्केट शिवगंज मंडी शिव मंदिर में खाटू श्याम महोत्सव बड़ी धूमधाम बड़े उल्लास के साथ मनाया गया आयोजन भी किया गया पालिका परिषद के अध्यक्ष पहनकर भव्य स्वागत किया बाबा खाटू श्याम के दी प्रचलित कर आरती कराई के अध्यक्ष अरविंद संगल ने है कि मुझे बाबा खाटू श्याम प्राप्त हुआ और नेहरू मार्केट ने मुझे यह अवसर दिया और करने का मौका प्रदान किया कलाकार हरीश नामदेव भेरठ की प्रसिद्ध गायिका रितिका नामदेव मैं दिल्ली के प्रसिद्ध कलाकार साहिल सांंरा बाबा खाटू श्याम के सुंदर-सुंदर भजनों एवं सुंदर-सुंदर झांकियां खाटू श्याम बाबा का गुणगान शुरू क्या गया यह कार्यक्रम बाबा की इच्छा तक देर रात तक चलता रहा जिसमें बाबा खाटू श्याम के भजनों को सुन भक्तजन नाचने में झूमने लगे बाबा खाटू श्याम के संकीर्तन में भक्तजन दूर-दूर से बाबा के भजनों को सुनने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई कीर्तन के पश्चात भक्त जनों के लिए प्रसाद की उत्तम अवस्था की गई नेहरू मार्केट के शरद नामदेव सुनील संगल ललित जैन शिवम गुप्ता आनंद गुप्ता अक्षत जैन मोहर सिंह निखिल संगल नीरज गुप्ता सचिन मित्तल रुचि मित्तल विक्की जैन अजय जैन एवं मार्केट के अन्य में व्यापारी उपस्थित रहे

संसद मुकेश राजपूत द्वारा बताए गए कूड़े घर को मिला कायाकल्प अवार्ड,बना चिंता का विषय

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फरुखाबाद। जनपद में कायाकल्प अवार्ड से सम्मानित हुए कई एक स्वास्थ्य केंद्रों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। एक तरफ जहां जनप्रतिनिधि इन स्वास्थ्य केंद्रों की कमियों को मीडिया के सामने पेश करते हैं, दूसरी तरफ कायाकल्प अवार्ड एक चिंता का विषय बनता जा रहा है। कायाकल्प अवार्ड स्कीम तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के एक सर्टनल व इंटर्नल असेसेमेण्ट में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली स्वास्थ्य इकाइयों के कायाकल्प अवार्ड की घोषणा कर दी गयी है। इसके अन्तर्गत जिले के पांच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है जिसमें एक एक लाख रुपए पुरस्कार के रुपए में मिलेंगे। यह जानकारी देते हुए एसीएमओ डॉ. दलवीर सिंह ने बताया कि 84.41 बरौन, 80.14 कमालगंज, 74.43 राजेपुर, 72.71 मोहम्दाबाद, 72.14 शमशाबाद को असेसमेंट रिजल्ट में अंक प्राप्त हुए हैं। जिसमें सबसे हेरानी की बात यह रही कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरौन को सर्वाधिक अंक प्राप्त हुए। 13 सितंबर 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरौन का सांसद ने निरीक्षण किया था, जिसमें जमकर अवस्थाओं का बोलबाला पाया गया था जिसमें डॉक्टर स्टाफ भी कम था। गाढ़े भी फटे हुए थे। त्वाओं ओर गंदगी ही गंदगी थी, जहाँ सांसद ने जमकर फटकार लगाई थी और मीडिया को अवगत कराया था कि यह किसी कूड़े घर से कम नहीं है। वह शासन को पत्र लिखेंगे और कर्मचारियों पर कार्यवाही कराकर हालात में सुधार करने का प्रयास करेंगे। जब आज इसे कायाकल्प अवार्ड से नवाजा गया तो जनता के मन में कई एक सवाल खड़े हो रहे हैं। जिला क्वालिटी कंसल्टेंट डॉ. शेखर यादव ने भी पुरस्कार मिलने पर खुशी जताई तथा आगे और भी इकाइयों को बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार करके अधिक से अधिक कायाकल्प अवार्ड प्राप्त करने की बात कही।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आये प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष श्री राम अनुग्रह सिंह

क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार

कोंच (जालौन) प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक नदीगांव के अध्यक्ष श्री राम अनुग्रह सिंह गुर्जर और उनकी टीम ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए एक अनोखी पहल की। उन्होंने नवीन मऊ में बाढ़ पीड़ितों को खाना वितरण किया, जिसमें मऊ ग्राम पंचायत के अध्यक्षों और उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक नदीगांव के सदस्यों ने सहयोग किया। इस पहल में श्री राम अनुग्रह सिंह गुर्जर, नाथू राम कुमार शिवशंकर सिंह गुर्जर, अमित कुमार गुप्ता, राम सिंघा शिक्षा मित्र, कमलेश कुमार कुशवाहा, शिव कुमार तिवारी और विनोद कुमार पंचायत सहायक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पहल के माध्यम से बाढ़ पीड़ितों को आवश्यक सहायता प्रदान की गई और उनकी मदद की गई। यह एक अनोखी पहल है जो शिक्षकों की सामाजिक जिम्मेदारी और उनके द्वारा समाज के प्रति किए गए योगदान को दर्शाती है।

अनशन की धमकी देने पर अधिवक्ताओं पर हत्या का मुकदमा हुआ दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फरुखाबाद/फतेहगढ़ मृतक के पिता ने अनशन करने की धमकी दिए जाने पर कोतवाली पुलिस ने लाखों रुपए हड़पने वाले अधिवक्ताओं पर साथी को जहर देकर मार डालने का केस दर्ज कर लिया है। कोतवाली फतेहगढ़ के मोहल्ला ग्वालटोली निवासी वीरेन्द्र चतुर्वेदी ने बेटे के हत्यारे के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करने के लिए वीरेन्द्र चतुर्वेदी ने पुलिस चतुर्वेदी व शुभम चतुर्वेदी चतुर्वेदी ने बार संजीव पारिया व अनिल बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश को साथ ठगी करने का द्वारा दस लाख रूपयों की ठगी करने की शिकायत की गयी थी। शनि चतुर्वेदी ने 30.10.2018 को मुख्य न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय इलाहाबाद को भी प्रार्थना-पत्र दिया था। जिसमें 10.11.2017 को उक्त लोगों द्वारा दस लाख रुपये लेने का वर्णन किया गया। शनि द्वारा उच्चाधिकारियों को बार-बार शिकायती प्रार्थना-पत्र दिये जाने पर 31.08.2022 को अनिल कुमार गुप्ता एडवोकेट द्वारा दस रुपये के स्टाम्प पर 10 लाख रुपए लेने व काम न होने पर पैसे वापस करने का लिखित वर्णन किया गया। जिसकी मूल प्रति पुत्र के पास सुरक्षित थी। मुझे कुछ लोगों ने बताया कि शनि को सुमित कुमार वर्मा व अमित कुमार वर्मा एडवोकेट मोटरसाइकिल पर बैठकर ले गये हैं। तब मैं अनिल गुप्ता के बिस्तर पर गया वहां बैठे लोगों ने बताया कि अनिल गुप्ता व अमित वर्मा काफी देर से कहीं गये हुये हैं और उनके फोन कचहरी में बस्ते पर चार्जिंग में लगे हैं। मैं बराबर अपने पुत्र शनि चतुर्वेदी को फोन लगाता रहा परन्तु उसका फोन स्वीच ऑफ रहा। शाम लगभग 8.30 बजे पुत्र बदहवास हालत में घर आया और उसने बताया कि अनिल कुमार गुप्ता, सुमित कुमार वर्मा व अमित कुमार वर्मा ने मुझे कोल्डड्रिंक में कुछ जहरीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया है और अनिल कुमार गुप्ता द्वारा लिखा गया मूल स्टाम्प छीनकर भगा दिया। हालत खराब होने पर पुत्र शनि को लेकर लोहिया अस्पताल गया जहां डॉक्टर द्वारा मेरे पुत्र शनि को मृत घोषित कर दिया गया। पुत्र शनि का शव लेकर घर चला गया 112 नम्बर पर पुलिस को फोन किया जिस पर पुलिस आयी शव को देखकर फोरेंसिक टीम को जांच हेतु बुलाया जिसने जांचोपरान्त शव कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया। 30 अगस्त को शव का पोस्टमार्टम हुआ उसी दिन अन्तिम संस्कार किया गया। परिवार पुत्र की हत्या से शोकाकुल हैं। इस कारण रिपोर्ट लिखाने में कुछ विलम्ब हो गया। कोतवाली पुलिस द्वारा रिपोर्ट दर्ज न किए जाने पर पीड़ित पिता ने डीएम एसपी को प्रार्थना पत्र देकर 19 सितंबर को जिला मुख्यालय पर धरना देने की चेतावनी दी थी।

अखिल तायल चुने गए रोटरी क्लब शामली स्टार्स के अध्यक्ष

क्यूँ न लिखूँ सच-राकेश गुप्ता

शामली। रोटरी क्लब शामली स्टार्स ने अपना अधिष्ठापन समारोह दिल्ली रोड स्थित एक बैंकट हॉल में आयोजित किया जिसमें मुरादाबाद से पधारी मंडल अध्यक्ष रोटेरियन दीपा खन्ना जी और फर्स्ट जेंटलमैन का क्लब अनिल खन्ना जी चक्रेश लोहिया जी पेस्ट प्रेसिडेंट दीपक जैन जी गुरमुख सिंह जी व डॉ गौरव जी आदि अतिथिगण उपस्थित रहे सर्वप्रथम गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए दीप प्रज्वलन किया गया मंच का संचालक डॉ विनीत जी व निखिल ऐरन जी ने किया प्रोजेक्ट चेयरमैन रजत गर्ग जी ने कार्यक्रम की शुरुआत की तत्पश्चात अल्पाइन इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने बहुत ही शानदार प्रस्तुति देते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम किया। वर्ष 2023-24 के सचिव श्री नितिन गर्ग ने अपने कार्यकाल में हुए कार्यों को सदन के सामने प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि रोटेरियन दीपा खन्ना जी ने वर्ष 2024-25 के चुने गए अध्यक्ष रोटेरियन अखिल तायल जी को शपथ ग्रहण कराई तत्पश्चात सचिव गोपाल मित्तल जी एवं कोषाध्यक्ष मोहित बंसल जी को और समस्त बोर्ड को शपथ ग्रहण कराई गई। कार्यक्रम में शामली की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी में भी अपनी उपस्थिति दर्ज की। क्लब में 8 नए सदस्यों को भी सम्मिलित किया गया जिसमें राघव गर्ग गौरव संगल शुभम गर्ग आकाश बंसल संयम जैन मनीष तायल मयंक अनंत ऋषभ गर्ग आदि को बैच लगाकर क्लब की सदस्यता ग्रहण कराई गई तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने सभी को संबोधित करते हुए क्लब के कार्यों को बड़ा ही सराहया। उन्होंने रोटरी की मेहता पर भी प्रकाश डाला और क्लब की महिलाओं को भी आगे आने का आवाहन किया उन्होंने कहा जिस प्रकार मैं एक महिला होकर गवर्नर के पद पर आ सकती हूँ उसी प्रकार आप भी अपने क्लब में कुछ ना कुछ स्थान प्राप्त कर सकती हैं। अंत में क्लब के अध्यक्ष अखिल तायल ने सभी का धन्यवाद दिया और सभी अतिथियों को एक स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर क्लब के सदस्य अंकुर आर्य अन्वेष कुमार अमित जैन अमित अरोड़ा हृ आकाश गुप्ता अंकित मित्तल आशीष गर्ग अजय बंसल अंकुर जैन अश्वनी संगल अंकित गोयल अगम मित्तल आकाश जैन चंचल जैन अंकित मित्तल गौरव छबड़ा मानव ऐरन मोहित बंसल टीचर कुणाल कौशल गौरव संगल डॉ नीलम शुक्ला नितिन तायल प्रियंक जैन रजत बिंदल शशांक गर्ग रोहित बग्गा शिखर गोयल संजीव जैन सुमित गोयल सुलभ संगल सौरव गोयल संदीप विश्वकर्मा विशाल ऐरन सन्दीप जी आदि सदस्य उपस्थित रहे।

ढाई सैकड़ से अधिक मरीज पहुंचे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, निशुल्क किया गया दवाई का वितरण 63 मरीजों की हुई जांच

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फरुखाबाद। अमृतपुर थाना क्षेत्र के कस्बा अमृतपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रविवार को जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया जिसमें ढाई सैकड़ से अधिक मरीजों को दवाई का वितरण किया गया लगातार बढ़ती हैं, जिसके कारण तमाम लोग अधिक से अधिक केंद्रों पर आ रहे हैं। मलेरिया सभी ने नेगेटिव पाई की गई, जिसमें सभी पांच जांच की गई। शुगर के 6 मरीजों की जांच की हुई। बुखार के 43, खुजली अन्य 55 मरीजों को गया। जिसमें कुल 272 मरीजों को पंजीकृत कर दवाई का वितरण किया गया। डॉ. गौरव वर्मा ने बताया है कि जन आरोग्य मेले का आयोजन सप्ताह के प्रत्येक रविवार को सुबह 10-00 बजे से शाम 4-00 बजे तक किया जाता है। जिसमें सभी मरीजों को निःशुल्क शुल्क दवाई का वितरण किया जाता है। अस्पताल में दवाई की कोई कमी नहीं है। बड़ रही बाढ़ के कारण मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। उनके द्वारा प्रत्येक मरीज को जांच कर दवाई का वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि गांव गांव जाकर कैप लगाकर भी दवाई का वितरण किया जाएगा। बाढ़ के संकट में हमारी पूरी टीम भरपूर सहयोग करेगी और हर बाढ़ पीड़ित को हर संभव मदद प्रदान की जाएगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दिगम्बर जैन जलालाबाद जनपद शामली में जैन धर्म के दशलक्षण महापर्व पर उत्तम त्याग कर शान्तिधारा का पुण्य प्राप्त किया

क्यूँ न लिखूँ सच-राकेश गुप्ता

शामली, जलालाबाद। श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जलालाबाद जनपद शामली में जैन धर्म के दशलक्षण महापर्व पर आज उत्तम त्याग के शुभ अवसर पर शामली व सहारनपुर से आये छोटे छोटे बच्चों ने अपने जीवन में प्रथम बार भगवान पार्श्वनाथ का न्वहन व शान्तिधारा कर पुण्य लाभ कमाया। आज दशलक्षण पर्व के आठवे दिन उत्तम त्याग पर क्षेत्र पर बाहर से आये जैन श्रावको ने खूब भक्ति की। भक्ति करने में संजय जैन, नमो जैन, धवल जैन, सम्यक जैन, अभिषेक जैन, अरिहन्त जैन, पवित्र जैन, सिद्ध जैन, अरिहन्त जैन, शानु जैन, प्रिन्स जैन, तुषार जैन, नवीन जैन, नितिन जैन आदि उपस्थित रहे। इस मौके पर क्षेत्र के मंत्री सुशील कुमार जैन ने सभी को पटका पहनाकर सम्मान किया।

रामसागर शामली में जहारवीर गोगा जी का विसाल भंडारा आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच-राकेश गुप्ता

शामली। मोहल्ला रामसागर में जहारवीर गोगा जी का विशाल भंडारा आयोजित किया गया। जानकारी के अनुसार पंडित बिजेंद्र कुमार के मंदिर में पधार के खुशी में आज मोहल्ला रामसागर निवासियों तथा बाबा जहारवीर गोगा जी के भक्तो ने बड़े उत्साह के साथ मिलकर जहारवीर गोगा जी के भंडारे का आयोजन किया। इस भंडारे में मोहल्ला वालो के साथ साथ बड़ी संख्या मे लोगो ने भाग लिया और भंडारा का प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर मोहल्ले वालो के साथ साथ रितेश मित्तल चितरंजन संगल राकेश तायल पोपी आदि मौजूद रहे।

लुईस खुरशीद उमर खुरशीद के साथ जनसंपर्क और ईद मीलाद उन नबी के जुलूस में होंगी शामिल

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फरुखाबाद। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक श्रीमती लुईस खुरशीद अपने तीन दिवसीय दौरे के तहत 15 सितंबर से 17 सितंबर तक फरुखाबाद में रहेंगी। इस दौरे में उनके साथ युवा नेता उमर खुरशीद भी शामिल होंगे। इस दौरान लुईस खुरशीद विभिन्न जनसंपर्क बैठकों में भाग लेंगी और क्षेत्र के लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और मुद्दों पर चर्चा करेंगी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों के लिए यह दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि पार्टी नेतृत्व की ओर से आम जन के बीच संवाद को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके साथ ही, श्रीमती लुईस खुरशीद 17 सितंबर को ईद मीलाद उन नबी के जुलूस में भी हिस्सा लेंगी, जहां वे मुस्लिम समुदाय के साथ जश्न में शामिल होंगी और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देंगी। इस दौरे को लेकर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और सभी कार्यक्रमों में लुईस खुरशीद और उमर खुरशीद की उपस्थिति को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

जिला अधिकारी ने बारावफात दृष्टिगत कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु जुलूस मार्गों की स्थिति का जायजा लिया

क्यूँ न लिखूँ सच-शशिकांत शर्मा

शाहजहांपुर के नवागत जिला अधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने बारावफात दृष्टिगत कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु शाहजहांपुर शहर में निकलने वाले जुलूस मार्गों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने लोगों से कहा कि जुलूस को शांतिपूर्वक निकालने में तथा शहर का सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान दें। जिलाधिकारी ने नूरी मस्जिद से जुलूस के रूट का जायजा लिया तथा रास्ते में आने वाले अवरोधक, रूट पर टूटी सड़क गड्ढे, झूलते हुये तार एवं खुले ट्रांसफार्मर की बैरिकेटिंग सहित आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कानून एवं शांति व्यवस्था के दृष्टिगत जिलाधिकारी भ्रमण करते हुए वहाँ पर मौजूद स्थानीय लोगों से मुलाकात कर वार्ता की गयी

स्वच्छताग्राही संघ द्वारा रीवा कलेक्टर, जिलापंचायत सी ई ओ को दिया गया ज्ञापन



क्यूँ न लिखूँ सच

दिल्ली - मुख्यमंत्री के कार्यक्रम चाकघाट में 17 सितम्बर को स्वच्छता पड़ाव के कार्यक्रम में स्वच्छताग्राही भी रहेंगे सीएम के स्वागत में आज स्वच्छताग्राही संघ रीव के जिलाध्यक्ष पारस मिश्रा एव त्योंथर के स्वच्छताग्राही संघ के जनपद अध्यक्ष आलोक मिश्रा के द्वारा आज स्वच्छताग्राही संघ के द्वारा रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल एव जिला पंचायत सीईओ को ज्ञापन सौंपा गया और बताया गया कि 17 सितम्बर को चाकघाट में मुख्यमंत्री के आगवन पर जो स्वच्छता पड़ाव का कार्यक्रम रखा गया है उसमें स्वच्छताग्राहियों को रखा जाए और जो ज्ञापन दिया गया है वो ज्ञापन मुख्यमंत्री मोहन यादव तक पहुंचाया जाए और मुख्यमंत्री को बताया जाए कि जिस तरह आप सभी कर्मचारियों के समस्याओं समाधान किए है उसी तरह हम सभी स्वच्छताग्राहियों के समस्याओं का समाधान करें स्वच्छताग्राहियों की नियुक्ती भी भाजपा सरकार के द्वारा ही की गई थी और अब हम सब का उद्धार भी आप के ही हाथ में है और अब हम सब का जीवन आप के हाथों में है , मोहन सरकार मध्यप्रदेश के स्वच्छताग्राहियों के

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व अपर जिलाधिकारी संजय कुमार ने संयुक्त रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र रामपुरा पचनदा का निरीक्षण कर सम्बंधित को दिशा निर्देश दिये



क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार

मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व अपर जिलाधिकारी(वि०/ रा०) संजय कुमार ने संयुक्त रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र रामपुरा, पचनदा आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान तहसील माधोगढ़, रामपुरा में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र वासियों को राहत सामग्री का वितरण किया और कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई राहत सामग्री आप तक पहुंचाई जा रही है आप लोगो को घबराने की जरूरत नहीं है, प्रदेश सरकार जिला प्रशासन आपके साथ है। राहत शिविर केम्प परिसर में ही ग्रामीणों के स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया है, उन्होंने ग्रामवासियो से कहा कि बीमारियों से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है, मेडिशन किट उपलब्ध कराई जा रही है, आपको बेहतर स्वास्थ्य के लिए उन दवाइयों का प्रयोग करना है। उन्होंने कम्युनिटी किचिन में बन रहे खाने को स्वयं चखकर खाने की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हर संभव मदद का प्रयास किया जाए साथ ही कहा कि खाने की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र जहां पानी में डूबने से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई हेतु प्रारंभिक सर्वे का कार्य पूरा हो गया है। लगभग जनपद में 2150 एकड़ भूमि पर कृषि के प्रभावित होने की आशंका है। जिलाधिकारी ने सभी लेखपालों को फसलों में हुए नुकसान के सर्वे का आदेश दिया गया है। लेखपाल विस्तृत सर्वे रिपोर्ट तैयार कर कृषि बीमा योजना और राहत मद से कार्यवाही के निर्देश दिये गये। वहीं जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्राथमिकता पर पशुओं को भूसा व टीकाकरण का कार्य भी तेजी से सुनिश्चित करेंगे, जिससे पशुओं को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा, उप जिलाधिकारी सुरेश कुमार पाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र देव शर्मा, क्षेत्राधिकारी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गंगा के जल स्तर मे आया ऊफान चेतावनी बिंदु से 45 सेंटीमीटर ऊपर



फर्रुखाबाद/अमृतपुर । भारी बारिश के बाद गंगा नदी में पानी छोड़े जाने के बाद एक बार फिर ऊफान दिखाई देने लगा है। गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर से कल से आज सुबह चेतावनी बिंदु मे 10 सेन्टीमीटर जलस्तर की बढ़ोतरी हुई है। अब गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी बिन्दु से 45 सेंटीमीटर के पास पहुंच गया है जिसके कारण दर्जनों गांवों पर बाढ़ का संकट नजर आ रहा है। बाढ़ की चपेट में आए कुल इतने गांव गंगा नदी की बाढ़ की चपेट खानपुर,आशा की मड़ैया, चित्रकूट,मंझा की फखरपुर माखन नगला भाऊपुर चौरासी, राजाराम हरसिंहपुर कायस्थ उगरपुर,अम्बरपुर पूर्वी गोटिया दर्जनों सम्पर्क मार्गों पर चल रहा कई फीट ऊंचा के निकट फर्रुखाबाद बदायूं सम्पर्क मार्ग, हरिहरपुर जोगराजपुर तीसराम की मड़ैया राजाराम की मड़ैया पानी बहने लगा है। जिसके कारण ग्रामीण व आवागमन कर रहे हैं। कितने दिनों से क्षेत्र में भरा से अधिक दिनों से क्षेत्र में बाढ़ का पानी भरा बीमारियां पैर पसारने लगी हैं। ग्रामीणों में खासी स्वास्थ्य विभाग की टीमें कागजों में दौड़ रही है किलोमीटर से अधिक दूर से किसान चारे की प्रशासन के द्वारा क्या है तैयारियां बाढ़ से निपटने है। क्षेत्र में 31 नावों को लगाया गया है। तथा 33 बाढ़ चौकियां बनाई गयी है गंगा व रामगंगा गंगा नदी में 142517 क्यूसेक पानी छोड़ा गया जिससे गंगा का जलस्तर चेतावनी बिन्दु से 45 सेन्टीमीटर बढ़कर 137.05 पर बहने लगा है। रामगंगा नदी में आज खो बैराज से 20594 हेरली बैराज से 574 रामनगर बैराज से 14600 टोटल 35718 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जिससे रामगंगा का जलस्तर 135.65 पर पहुंच गया है। एसडीएम तहसीलदार ने बाढ़ से प्रभावित चित्रकूट,भुडिया भेड़ा, आशा की मड़ैया,कनकापुर, महमदपुर गडिया का निरीक्षण किया हैं। तथा एसडीएम ने बताया है कि लगभग 280 पैकेट राहत किट सामग्री की डिमांड भेजी गई है।

समाजसेवी राहुल तिवारी कैलिया ने बाढ़ पीड़ितों को घर घर जाकर भोजन की व्यवस्था उपलब्ध कराई



सूरजपुर में सोनार समाज की हुई बैठक , संतोष सोनी (पार्षद) चुने गए नए जिला अध्यक्ष



क्यूँ न लिखूँ सच-नीरज कुमार

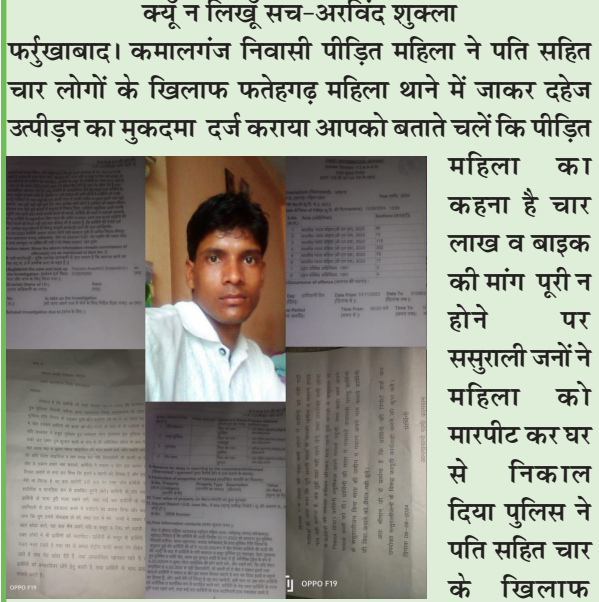
(कोंच जालौन)जनपद जालौन के नदीगाँव ब्लॉक के ग्राम सलैया,मऊ,महेशपुरा एवं नदीगाँव में आयी भयंकर बाढ़ से सारा जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया और इस दुख की घड़ी में आयी बाढ़ से प्रभावित पीड़ितों को युवा समाज सेवी एडवोकेट राहुल तिवारी कैलिया ने घर घर जाकर भोजन व्यवस्था उपलब्ध करायी एवं हर संभव मदद करने के शासन प्रशासन के द्वारा भी जो भी सहयोग की आवश्यकता होगी हर संभव मदद कराने की कोशिश करूंगा सबसे ज्यादा प्रभावित मऊ गाँव रहा जिसमें लोगों के पास फसल से लेकर जानवरों का भूसा अनाज घर गृहस्थी सब कुछ नष्ट हो गया अधिकांश घर धराशायी हो गए एवं क्षेत्र में हुयी अत्याधिक बरसात से पृहज नदी के किनारे बसे सभी गावों में अधिकांश कच्चे घर ढह गए हैं एवं सभी की फसलें नष्ट हो गई जिले के आला अधिकारियों से जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया है सम्पूर्ण क्षेत्र में भ्रमण करके या संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों से मुआयना भ्रमण कराकर सभी के साथ निष्पक्ष भाव से मदद कर यथासम्भव पीड़ितों को उचित लाभ पहुंचाने का विशेष आग्रह किया है जिससे लोगों को इस दैवीय आपदा से राहत मिल सके।

सूरजपुर।- सोनार उत्थान समाज का अंतिम गठन सूरजपुर जिले का पूर्ण हुआ, सरगुजा संभाग के सभी जिले में समाज का गठन है सूरजपुर जिले का गठन ऑडिटोरियम हाल में संपन्न हुआ। इस बैठक के मुख्य अतिथि के रूप में परशुराम सोनी पूर्व उपाध्यक्ष प्रदेश एवं वर्तमान सरगुजा संभाग प्रभारी उपस्थित थे इस बैठक की अध्यक्षता गोपाल सोनी ने की। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों सीनियर महिला, युवा ने जिला अध्यक्ष के लिए संतोष सोनी (पार्षद) का नाम प्रस्तावित किया। युवा जिला अध्यक्ष के लिए नितेश सोनी का नाम तथा ब्लॉक अध्यक्ष महिला श्रीमती उमा देवी सोनी का नाम प्रभारी के समक्ष प्रस्तावित किया। प्रभारी ने इन सभी तीनों पदाधिकारी को 3 वर्षों के लिए मनोनीत किया है, सरगुजा संभाग के लिए दो प्रमुख सलाहकार संजय सोनी एवं बसंत सोनी को मनोनीत किया गया। इस दौरान परशुराम सोनी ने अपने उद्बोधन में सभी जिला अध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्ष एवं समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं को आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक पहुंच कर समाज के लोगों की मदद करें, गरीब से गरीब तक के की आर्थिक उन्नति हो सके साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर लड़की के माता-पिता को प्रेरित कर सुकन्या समृद्धि योजना का खाता खुलवाएं ताकि लड़की की पढ़ाई एवं शादी के लिए आगे कोई अड़चन न आ सके। बाल विवाह को रोकना है एवं लड़के एवं लड़कियों को शिक्षा अनिवार्य रूप से ग्रेजुएशन करवाने कहा। सोनार उत्थान समाज का गठन पूरे संभाग में पूरा हो चुका है कुछ महत्वाकांक्षी लोग समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं उन्हें इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा। सोनार उत्थान समाज सभी को एक मंच में लाकर एक साथ चलना चाहता है और लेकर चल भी रहे है ऐसे लोगों से समाज के लोगों को सतर्क रहना होगा जो संगठन को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, क्योंकि एकता में ही शक्ति है, समाज को दो भागों में बांटने का प्रयास हो रहा है ताकि समाज एकजुट न हो सके, कड़ी मेहनत के बाद पहली बार समाज एकजुट हुआ है और ऐसे लोगों को अब समाज तोड़ने और बांटने में सहयोग न दें। ऐसे लोगों का बहिष्कार करें जो समाज तोड़ना चाहता है। हम सब एक साथ होकर एक मजबूत मुट्ठी बने। इस बैठक में सरगुजा संभाग के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष संतोष सोनी ने कहा कि समाज के लोगों ने जिस उम्मीद और विश्वास से उन्हें दायित्व सौंपा है उस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। इस अवसर पर डॉ सुनील सोनी प्रमुख सलाहकार, राहुल सोनी, कन्हैया प्रसाद सोनी, चंदन प्रसाद सोनी, हिमांशु सोनी, मनीष सोनी, रितेश सोनी, अजय सोनी, राजेश सोनी, अनूप सोनी, सुजीत सोनी, सरिता सोनी, आशा सोनी, रीना सोनी, निर्मला सोनी, राधा सोनी, जयशंकर सोनी, ओम प्रकाश सोनी, मनोहर सोनी, शंभू सोनी सहित सूरजपुर जिले से समाज के सीनियर महिला युवा सैकड़ों की संख्या में उपस्थित थे।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, ऋय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9०7776991

संक्षिप्त समाचार

दहेज उत्पीड़न में पति व जेठ सहित चार पर हुआ मुकदमा दर्ज



क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। कमालगंज निवासी पीड़ित महिला ने पति सहित चार लोगों के खिलाफ फतेहागढ़ महिला थाने में जाकर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया आपको बताते चलें कि पीड़ित महिला का कहना है चार लाख व बाइक की मांग पूरी न होने पर ससुराली जनों ने महिला को मारपीट कर घर से निकाल दिया पुलिस ने पति सहित चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है थाना जहानगंज क्षेत्र निवासी पतौंजा पति कामरान ससुर मुस्लिम जेठ चमन देवर गुलफाम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया इसमें पीड़ित महिला का कहना है की 10 नवंबर 2023 को मां ने खेत बेच कर कामरान से मेरी शादी की थी शादी के कुछ महीने बाद से ससुरालजनी दहेज में चार लाख व बाइक की मांग कर मारपीट करने लगे पति व ससुर खेत व मकान अपने नाम कराने का दबाव बनाने लगे पीड़िता महिला ने बताया कि उसकी 6 बहिनों व मां का खेत व मकान में हिस्सा है और मेरी मां जिंदा है वह क्या खाएगी इसमें पति कामरान आए दिन मारपीट व गाली गलौज देता है पीड़िता महिला का आरोप है आए दिन दहेज की भी मांग करते है जेठ चमन बदनीयती से मुझे कमरे में हरसमय गसीठने का प्रयास करता था व ससुर मुस्लिम भी मुझ पर बुरी नजर रखते है

फरीदपुर में अमानक निर्माण को लेकर विवाद: ग्रामीणों ने की जांच की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/नवाबगंज। ग्राम पंचायत फरीदपुर के मजरा सैथरा में अमानक ईंटों से हो रहे निर्माण कार्य को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि यह निर्माण विवादित जमीन पर किया जा रहा है और इसमें अमानक ईंटों का उपयोग हो रहा है, जिससे गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस निर्माण के संबंध में ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान मीरा देवी (पत्नी विजय वर्मा) और सचिव बृजेश यादव पर आरोप लगाया है कि उन्होंने निर्माण कार्य में सही मानकों का पालन नहीं किया। ग्रामीणों का कहना है कि यह निर्माण कार्य पारदर्शिता के साथ नहीं हो रहा है और इससे ग्राम पंचायत के विकास कार्यों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। ग्रामीणों ने मामले की जांच की मांग करते हुए संबंधित अधिकारियों से हस्तक्षेप की अपील की है, ताकि निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके और विवादित जमीन पर हो रहे निर्माण की वैधता की जांच की जा सके। मामले को लेकर स्थानीय प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर बैठक



क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/ कायमगंज। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड/संविदा कर्मचारी संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आज कायमगंज डिवीजन में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य 23 सितंबर 2024 को लखनऊ में ऊर्जा मंत्री महोदय से मिलने और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की समस्याओं से उन्हें अवगत कराना था। बैठक में जिले के विभिन्न पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। जिला अध्यक्ष राम किशन की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में महामंत्री विष्णु सिंह, उपाध्यक्ष विनोद कुमार, कोषाध्यक्ष लाल मियां, और संगठन मंत्री नावेद जमा के साथ-साथ कायमगंज डिवीजन अध्यक्ष श्याम सिंह और सैकड़ों कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान, कर्मचारियों ने अपनी वेतन वृद्धि, नौकरी की सुरक्षा, और अन्य समस्याओं पर चर्चा की। यह निर्णय लिया गया कि यदि 23 सितंबर को ऊर्जा मंत्री महोदय से संतोषजनक समाधान नहीं मिलता, तो संगठन द्वारा आगे की रणनीति बनाई जाएगी। इस बैठक ने कर्मचारियों की मांगों और संघर्ष को एकजुट करने का काम किया, जिसमें कर्मचारियों ने अपने हक के लिए एकजुट होकर लड़ाई लड़ने की बात कही।

एक के बाद एक मलबे से शव निकलते देख बैठ गया कलेजा... रात भर मलबे में जिंदगी की तलाश

मेरठ के लोहियानगर थाना इलाके की जाकिर कॉलोनी में शनिवार शाम तीन मंजिला भरभरा कर गिर गया। दर्दनाक हादसे में पांच मासूम बच्चों समेत दस लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच घायल अस्पताल में भर्ती हैं, इनमें से कई की हालत गंभीर है। शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे अचानक तीन मंजिला मकान भरभरा कर गिर गया। इससे इलाके में अफरातफरी मच गई। पुलिस को सूचना देकर स्थानीय लोग राहत और बचाव कार्य में जुट गए।मकान के सैकड़ों टन मलबे में दबे परिवार के सदस्यों को स्थानीय लोगों ने हादसे के चंद मिनट बाद ही शाम साढ़े चार बजे से ही तलाशना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस-प्रशासन और एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीम शनिवार को रात भर मलबे में जिंदगी की तलाश करती रही।हादसे में मलबे साजिद और उसके बच्चों समेत दस की मौत हो गई। जबकि साजिद की पत्नी सायमा है। बेहोश सायमा को पता भी नहीं गई।मौके पर एकत्र लोग मलबे के नीचे दुआ कर रहे थे, लेकिन साजिद और रिजा, मां नफीसा के अलावा सिमरा शव निकलते देख लोगों का कलेजा उम्मीद नहीं छोड़ी और बचाव दल के लोगों को तलाश करते रहे। रविवार शव निकाल लिए गए।गुल रही व्यवस्था- रेस्क्यू के दौरान कई घंटे के तार टूटने से भी विद्युत आपूर्ति ठप और लाइट मंगाकर प्रकाश की मदद की। अस्थायी प्रकाश व्यवस्था बचाव कार्य चलता रहा।मददगार बने की मदद से पहुंचने से पहले आसपास पड़ोस में रहने वाले निजामुद्दीन, साबिर, अरशद आदि बचाव कार्य में जुट गए। आदिल चौधरी, जानू चौधरी, बसपा संस्थापक बदर अली आदि पहुंचकर राहत कार्य में जुटे रहे। हालांकि बाद में प्रशासन के रेस्क्यू शुरू करने के बाद भीड़ कम करने के लिए लोगों को हटा दिया गया।मेरठ में तीन मंजिला मकान गिरा, पांच बच्चों समेत 11 की मौत- मेरठ के लोहियानगर थाना क्षेत्र की जाकिर कॉलोनी में शनिवार शाम तीन मंजिला मकान गिर गया। इसके मलबे में छह बच्चों समेत 15 लोग और मवेशी दब गए। मलबे में दबने से 11 की मौत हो गई। इनमें साजिद (40) पुत्र अलाउद्दीन, साकिब (20) पुत्र साजिद, सानिया (15) पुत्री साजिद, रीजा (7) पुत्री साजिद, सिमरा (डेढ़ साल) पुत्री शहजाद, नफीसा (63) उर्फ नफ्फो पत्नी अलाउद्दीन, फरहाना (20) पत्नी नदीम, अलीशा (18) पत्नी नईम, आलिया (6) पुत्री आबिद, रिमसा (पांच माह) पुत्री नईम, सायमा (38) पत्नी साजिद शामिल हैं।ये हैं घायल-नईम (22) पुत्र अलाउद्दीन, नदीम (26) पुत्र अलाउद्दीन, साकिब (20) पुत्र अलाउद्दीन और सोफियान (6) घायल हैं। घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है, जिनमें कई की हालत गंभीर है। जाकिर कॉलोनी में नफीसा उर्फ नफ्फो (65) पत्नी अलाउद्दीन बेटे साजिद, नईम, नदीम और शाकिर के परिवारों के साथ करीब 50 वर्ष पुराने तीन मंजिला मकान में रह रही थीं। भूतल पर मवेशियों की डेयरी संचालित थी।प्रथम और द्वितीय तल पर नफ्फो और उनके चार बेटों के परिवार रह रहे थे। शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे तीन मंजिला मकान भरभरा कर गिर गया। इलाके में अफरातफरी मच गई। पुलिस को सूचना देकर स्थानीय लोग राहत और बचाव कार्य में जुट गए। पुलिस, फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और मलबा हटाना शुरू किया। एडीजी डीके ठाकुर, कमिश्नर सेल्वा कुमारी जे, डीएम दीपक मीणा और एसएसपी डॉ. विपिन ताड़ा भी मौके पर पहुंच गए।बारिश और तंग गलियों के चलते बचाव कार्य में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। देर रात तक छह शव निकाल लिए गए थे। रविवार तड़के सातवां शव फरजाना का निकाला गया।

महिला आरक्षण को लेकर राहुल गांधी का दावा, बोले- यह कांग्रेस के लिए महिलाओं को पहचान दिलाने का अवसर

राहुल गांधी ने कहा कि आज के युग में महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में सार्थक अवसरों से वंचित करने का कोई कारण नहीं है। पिछले चार दशकों में महिला कांग्रेस महिलाओं के न्याय के लिए निडर आवाज बनी है।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अब महिला आरक्षण को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण अधिनियम कांग्रेस के लिए महिलाओं को पहचान दिलाने का अवसर है। क 1 9 8 2 से वर्षगांठ पर गांधी और भारत जोड़ो भारत भर में ऐसी के लिए संकल्पित में बदलाव लाने के खिलाफ सबसे महिलाओं की ही आज के युग में जीवन में सार्थक कोई कारण नहीं है। पिछले चार दशकों में महिला कांग्रेस महिलाओं के न्याय के लिए निडर आवाज बनी है। अक्सर महिलाओं के खिलाफ खड़ी व्यवस्था में महिला कांग्रेस का प्रत्येक के लिए लड़ना और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक शक्ति में अपनी हिस्सेदारी का दावा करना जरूरी है। मुझे जानकर खुशी है कि महिला कांग्रेस का सदस्यता अभियान पूरे भारत में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है महिला कांग्रेस महिलाओं की अधिक से अधिक राजनीतिक भागीदारी के लिए काम करना जारी रखेगी। आपका अथक परिश्रम भारत की महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आधी आबादी पूरा हक एक सांवधानिक दायित्व है। इसके लिए कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। एक्स पर एक पोस्ट में खरगे ने कहा कि हमारे देश की नारी शक्ति ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर अंतरिक्ष उड़ान तक राष्ट्र निर्माण में समाज योगदान दिया है। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की जिम्मेदारी है कि वह महिलाओं के अधिकारों के लिए सड़क से संसद तक लड़े और महिलाओं की असुरक्षा, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, सामाजिक शोषण, असमानता और स्त्रीद्वेषी मानसिकता के खिलाफ मजबूती से लड़े। उनको न्याय दिलाएं।



अखिल भारतीय महिला (एआईएमसी) की 40वीं ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा न्याय यात्रा के दौरान वह महिलाओं से मिले जो बदलाव थीं। कई महिलाओं में समाज का जुनून, दृढ़ता थी। अन्याय उग्र और निडर आवाज थी।राहुल गांधी ने कहा कि महिलाओं को सार्वजनिक अवसरों से वंचित करने का



मलबे में दब गई जिंदगी



स्वर्गवासी व्यक्तियों पर टिप्पणी उचित नहीं , जनार्दन मिश्रा व सुब्रमण्यम स्वामी का बयान घोर निंदनीय

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भारतीय जनता पार्टी के अपने संस्कार है उनकी अपनी रीति नीति है इससे हमें कोई लेना देना नहीं लेकिन स्वर्गवासी हुए लोगो पर अनैतिक टिप्पणी करना न्याय संगत नहीं। विगत दिनों भाजपा के नेता सुब्रमण्यम स्वामी जी पर गलत बयानबाजी गलत तमाम बयानबाजी की यह उनके बारे में बयानबाजी उचित नहीं। सुब्रमण्यम पूर्व प्रधानमंत्री पर इस तरह कैसे थे ये उचित नहीं। इस धर्मग्रंथ है रामचरित मानष के में प्रचलित कहानी है कि वे से लूटपाट किया करते थे लेकिन करपात्री जी महाराज ने कहा था अति बल्कि अति एकबार अपने उच्च स्थान तक पहुंचती है। जो समाज सुधारक होते है उनके मन मे समाज को लेकर पीड़ा तकलीफ होती है समाज के प्रति जब नफरत आती है तो वे समाज विरोधी हो जाता है और जो ऐसा समाज विरोधी होता है जब उसके मन मे वैराग्य उत्पन्न होता है तो वह व्यक्ति बहुत बड़ा संत हो जाता है। अटल बिहारी बाजपेयी जी जैसे संत के स्वर्गवासी होने के बाद इस तरह के आक्षेप लगाना बयानबाजी करना भारतीय जनता पार्टी के ही रीति रिवाज चाल चरित्र का ही अंश हो सकता है। पर जनार्दन मिश्रा जी रीवा के ही है और इस तरह से स्वर्गीय श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी जी को लेकर बयान बाजी करना भारतीय जनता पार्टी के संस्कारों को प्रदर्शित करता है। मैं ऐसे बयानों की घोर निंदा करता हु साथ ही अपील करता हु कि ऐसे लोगो का राजनैतिक और सामाजिक बहिष्कार किया जाना चाहिए। हमारे विंध्यवासी ऐसे बयानों पर चिंतन मंथन करे। भारतीय जनता पार्टी का ये चेहरा तो इनके सत्ता में आने के बाद पूरे देश ने देखा कि बनी बनाई सरकारों को गिरा देना ,जहां अल्पमत में हो वहां भी सरकार बनाना ,सांसद विधायको को उनकी मूल पार्टियों से तोड़ फोड़ लेना आदि। लेकिन अब स्वर्गीय नेताओ के चरित्र पर लांछन लगाना उन्हें नीचा दिखाना इनके संस्कारो में शामिल होता जा रहा है जो घोर निंदनीय है जिसकी मैं एकबार पुनः कड़े शब्दों में निंदा करता हु।



माँ हुल्का मैया की बड़ी पूजा मे किया गया 151 किलो के विशाल लड्डू का वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच-राजेंद्र विश्वकर्मा
कोंच(जालौन) लगभग डेढ़ सौ वर्षो से चली आ रही मां हुल्का देवी की त्रवर्षीय पूजा में आज निकलने वाली शोभा यात्रा में लगभग एक लाख लगभग भक्तजनों के शामिल होने का अनुमान है।इस भव्य शोभा यात्रा में सभी भक्तजन पूरी भक्ति भाव के साथ सम्मिलित हुए थे।इस शोभा यात्रा मे प्रदीप मिट्ट्या के परिवार की ओर से 151 किलो का विशाल लड्डू बनवाकर वितरण करवाया गया वही दूसरी मनोज अवस्थी (अध्यापक) एवं देवेश सोनी (प्रॉपर्टी डीलर) द्वारा शरबत वितरित किया गया।इस शोभा यात्रा में स्वर्गीय रामप्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट की ओर से शामिल सभी भक्तजनों पर पुष्प वर्षा की गई।इस अवसर पर ट्रस्ट के डायरेक्टर इंजीनियर राजीव कुमार रेजा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष कुंवर नरसिंह गहरवार एडवोकेट ट्रस्ट के कोऑर्डिनेटर विनोद कुमार रावत एमएससी लोई वाले वरिष्ठ शिक्षक संजय सिंघाल एवं बागेश्वरी साहित्य परिषद के अध्यक्ष मयंक मोहन गुप्ता विशाल रेजा एवं रमेश रेजा, दिनेश, तनु, गौरव उई वाले, नीरज विरगुआ,देवेश सोनी, मनोज अवस्थी, नरेश बाल्मीकि कुलदीप, अनिल रजक डिम्पल, देव, ओजस, लव अथर्व नीलू शांडिल्य, राकेश वैध, राजा सोनी, प्रिंस अग्रवाल, लक्ष्मी, प्रियम वैध यागिक,मुस्तकीम,कैलाश यागिक (मिहोना)इत्यादि लोग उपस्थित रहे



संक्षिप्त समाचार राहुल के आरक्षण खत्म करने वाले बयान पर भड़के उपराष्ट्रपति धनखड़, बोले- यह संविधान विरोधी मानसिकता

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आरक्षण योग्यता तंत्र के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह देश और संविधान की आत्मा है। यह सकारात्मक है, नकारात्मक नहीं।अमेरिका में भारतीय लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरक्षण खत्म करने वाले बयान पर उपराष्ट्रपति ज ग दी प धनखड़ ने नाराजगी जाहिर की है। मुंबई में एक कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि सांविधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का ऐसा बयान उनकी संविधान विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के बारे में अधिक जागरूकता की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग इसकी आत्मा को भूल गए हैं।धनखड़ ने कहा कि सांविधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति का विदेशी धरती पर यह कहना कि आरक्षण समाप्त किया जाना चाहिए, उनकी संविधान विरोधी मानसिकता को दिखाता है। यह आरक्षण के खिलाफ उनका पूर्वाग्रह है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आरक्षण योग्यतातंत्र के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह देश और संविधान की आत्मा है। यह सकारात्मक है, नकारात्मक नहीं। आरक्षण किसी को अवसर से वंचित नहीं कर रहा, बल्कि उन लोगों को सहारा दे रहा है जो समाज की ताकत हैं।राहुल गांधी ने विदेश में अपने एक बयान में कहा था कि भारत में असमानता है। यदि कभी भारत में असमानता और सामाजिक भेदभाव समाप्त हो जाएगा तब आरक्षण को समाप्त करने पर विचार किया जा सकता है। इसके बाद भाजपा ने बयान का विरोध शुरू कर दिया। भाजपा के सांसद संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस आरक्षण को समाप्त करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के रहते हुए वे ऐसा कभी नहीं कर पाएंगे। मायावती भी राहुल गांधी के इस बयान पर उनको घेर चुकी हैं।केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझरी ने भी कांग्रेस नेता के इस बयान की आलोचना की है। यानी इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता पर चौरतरफा हमला होने लगा। इसके बाद राहुल गांधी ने अपने बयान पर स्पष्टीकरण करते हुए कहा कि कांग्रेस आरक्षण को समाप्त करने के बारे में नहीं सोच रही है।उल्टे वे देश में आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और सामाजिक समरसता लाने के लिए आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को समाप्त करने के बारे में सोच रहे हैं। उपराष्ट्रपति के बयान पर कांग्रेस ने किया पलटवार- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बयान पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस के प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ क्या एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने की राहुल गांधी की मांग का समर्थन करते हैं? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने एससी/ एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण पर 50% की सीमा को हटाने की मांग की है। क्या वह कांग्रेस की इस मांग का समर्थन करते हैं?

विधायक ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का नाव से किया दौरा

क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार
(कालपी जालौन)क्षेत्रीय विधायक ने कालपी विधानसभा क्षेत्र में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश तथा बाढ़ से गिरे घरों तथा फसलों को नुकसान की क्षतिपूर्ति दिलाने के लिए मुख्यमंत्री से मांग की है विधायक विनोद चतुर्वेदी ने क्षेत्र का दौरा कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में राहत दिलाने की

सरकार से मांग की विधायक विनोद चतुर्वेदी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा शासन के राहत सचिव को ईमेल से प्रेषित पत्रों के माध्यम से अवगत कराया है कि हाल ही में दिनांक 10 - 11 तथा 12 सितंबर को लगातार हुई बरसात की चपेट में आकर कई स्थानों में घर गिर गए तथा कई लोग बेघर भी हो गए इसी प्रकार बरसात तथा बाढ़ की चपेट में आकर खेतों के जलमग हो जाने से मिली ज्वार बाजा मूंग उई की फसल नष्ट हो गई हैं विधायक ने बताया कि हजारों एकड़ फसल क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों को भारी क्षति पहुंची है शनिवार को जनसंपर्क कार्यालय में ग्रामीणों से वार्ता करते हुए कहा कि प्रभावित किसानों को शासन स्तर से हर संभव शासकीय मदद पहुंचाई जाएगी विधायक ने अवगत कराया है कि इस संबंध में जिलाधिकारी से संबंधित उच्च अधिकारियों को भी बाढ़ एवं बरसात क्षतिग्रस्त फसलों तथा घरों की शासकीय मदद देने के लिए सर्वे करने की अपेक्षा की है कालपी मंगरोल रोड का बाढ़ ग्रस्त इलाकों का नाव के दौरा करते हुए उन्होंने कहा कि जोंधरा में बने पुल के दोनों तरफ सड़क की ऊंचाई कराई जाएगी ताकि बाढ़ का पानी सड़क में पानी न भर सके।

The whole medical store is ladyfinger water, drinking it daily will protect you from diabetes to heart disease

Health will remain young even in old age, special tips given by the doctor will change your life

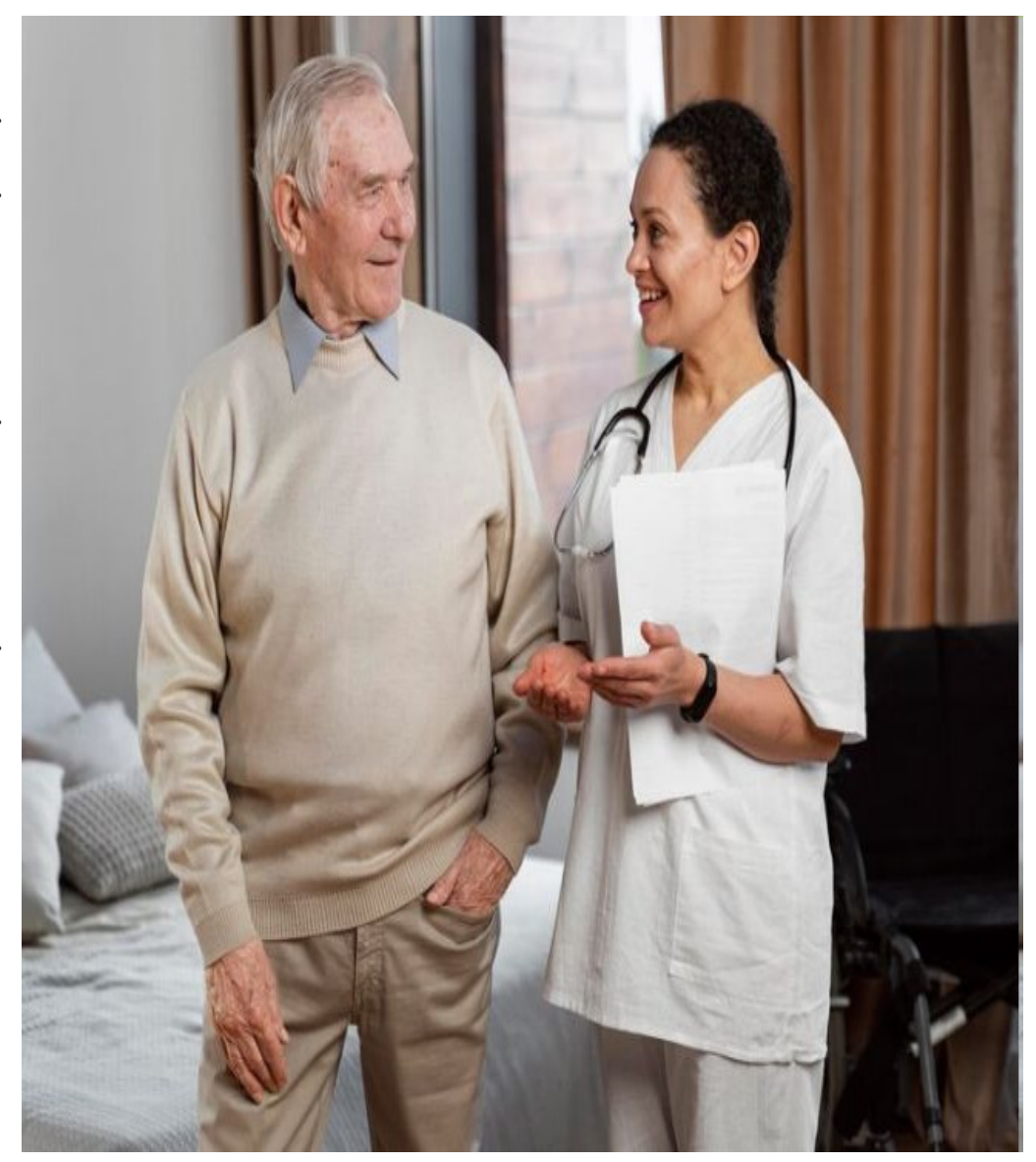
Many people eat ladyfinger with great gusto. Not only is its taste great but it is also a storehouse of qualities. Eating it gives many health benefits. Not only this, drinking ladyfinger water daily gives relief from many serious problems. Let's know the benefits of drinking ladyfinger water on an empty stomach in the morning (okra water benefits) Ladyfinger is a popular



vegetable, which many people eat with gusto. You must have often eaten ladyfinger vegetable, but have you ever drunk its water. Drinking ladyfinger water daily on an empty stomach gives many benefits to the body. Ladyfinger, also known as okra and ladyfinger, is one of the favorite vegetables of many people. This vegetable, which is delicious to eat, is a storehouse of qualities, which gives many health benefits. Apart from the vegetable, drinking its water (okra water) also benefits health a lot. Very few people would know that drinking okra water (okra water benefits) on an empty stomach in the morning removes many problems and improves health. To make okra water, soak okra in water overnight and drink this water first thing in the morning. Doing this daily has countless health benefits. Let's know the benefits of drinking okra water- Reduces blood sugar- If you are a diabetic patient, then okra water is no less than a boon for you. This water can help you in reducing blood sugar, as it controls the absorption of glucose, which proves helpful in controlling blood sugar levels. Provides relief from constipation- High soluble fiber is found in okra water, so it can help in maintaining regular bowel movements and a healthy digestive system by relieving constipation. Apart from this, it soothes the digestive system by promoting easy bowel movements. Makes the heart healthy- The fiber and antioxidant properties of okra help in reducing cholesterol. It promotes immunity by reducing the risk of heart disease and improving heart health in general. Boosts immunity- Okra water is rich in vitamins A, C and antioxidants and helps protect against infections and diseases by strengthening the immune system. Keeps skin healthy- It promotes skin health. If you want glowing skin, okra water is a great option. The antioxidants present in okra water have the ability to reduce the oxidative stress of the skin, making the skin more radiant and clear. Helpful in weight loss- Okra water, which is high in fiber and low in calories, can help you lose weight a lot. It makes you feel full, which makes you feel less hungry and prevents you from overeating. Improves kidney function- If you drink okra water daily, then due to the compounds present in okra, kidney stones do not occur. Okra water can help improve your kidney functioning, which can be helpful in cleaning the kidneys. Keep eyes healthy- Drinking okra water daily can improve your eye health. Vitamin A and beta-carotene are important for maintaining good vision and preventing age-related eye problems such as cataracts.

Diabetes Thyroid Blood Pressure...! These diseases that come with old age affect your life badly but now there is no need to worry. With the help of some special tips given by the doctor (Health Tips for a Youthful Old Age), you can not only protect yourself from these

diseases but can also live a life like a youth at this stage of age. In old age, many types of diseases surround the body. It is not easy to keep yourself strong at this stage of age. With the help of some tips given by the doctor, you can maintain the energy of the body. Health Tips for a Youthful Old Age: Elderly people can be given a healthy and active lifestyle by controlling the diseases and weaknesses that come with increasing age. In this article, with the help of Dr. Vinish Mathur, Director of Orthopedics, Medanta Hospital Gurugram, we will learn how to improve the lives of elderly people by taking care of them and reduce the risk of diseases like diabetes, thyroid, blood pressure. Live a young life in old age- To live a young life even in old age, pay attention to your health, society and yourself. These three aspects together will help you to have a satisfied and healthy life. Let us tell you, the disabilities that come with increasing age greatly affect the daily lives of people. They cause problems in walking, the brain works less, and many types of diseases occur. Due to this, people start getting mentally disturbed and get away from society. By understanding these problems, we can find better ways to prevent and treat them. Taking care of health with increasing age- Regular exercise- Keeping your body active will increase your strength, you will be able to walk easily and stay healthy. Exercises like walking, swimming, tai chi and strength training are very beneficial. You can make a special exercise program for yourself by consulting a doctor or physiotherapist. Balanced diet- A balanced diet is very important to avoid chronic diseases. Elderly people should include fruits, vegetables, lean protein, whole grains and healthy fats in their diet. Drinking enough water is also very important for health. A dietitian can prepare a diet chart according to your age, health and other needs. Mental simulation- To keep our brain sharp, we should keep giving it work. Reading, solving puzzles, learning new things and meeting people are good ways to keep our brain sharp. Painting or playing music is also very good for the brain.



Why are girls nowadays preferring to live separately from their in-laws? These 5 reasons are responsible

Adjusting to in-laws is not easy for every girl. Many times, due to sourness in the relationship with in-laws, girls prefer to separate. Let us tell you today some such reasons (reasons for separate living after marriage) due to which girls are not able to spend many days under the same roof with their in-laws and make their own path with their husband. Many girls have difficulty adjusting to in-laws. Often the relationship with in-laws does not work out well. Due to sourness in the relationship, girls prefer to live separately. After marriage, every girl has many kinds of feelings about in-laws. There was a time when girls had to go to in-laws after marriage, but in today's time, newlywed couples are taking the decision to live separately due to many reasons. In society, women are usually blamed for this. In such a situation, such issues, due to which girls decide to separate from their in-laws. expects love and respect in her in-laws. If the mother-in-law and father-in-law and disappointment in the mind of the daughter-in-law and she can choose Mother-in-law and father-in-law should understand that every person is Hide household matters- After getting married, every girl dreams of often happens that she is made to feel like a stranger there. Hiding household that mother-in-law and father-in-law often do. When this truth comes out, daughter-in-law. Interference on clothes- Many mother-in-law and father-in-the daughter-in-law in the in-laws' house. Sometimes, the situation becomes so daughter-in-law's clothes even in front of outsiders. In such a situation, girls Every person needs a private life where they can feel independent, but in often feel that they are under someone's control and their every move is being a person than an in-law's house and the daughter-in-law prefers to get out of marriage, couples have to make continuous efforts to strengthen their family responsibilities, the husband and wife forget to take out time for each other. This situation becomes a big challenge especially for women, because they not only have to take care of their family, but also have to adjust to their husband's family. In such a situation, due to not getting quality time together, women find it better to separate from their in-laws.



today in this article we are going to tell about some Comparison with others- Every daughter-in-law praise someone else, then this can create insecurity the path of separation from you with her husband. different and everyone has their own strengths. considering her in-laws as her own home. But it matters or lying, these are some of the behaviors hatred for her in-laws arises in the heart of the law have the habit of commenting on the dress of bad that the mother-in-law starts taunting the nowadays prefer to separate. No place for privacy- Indian families, especially in in-laws' house, girls monitored. In such a situation, it becomes more of it. Lack of quality time with husband- After relationship, but many times due to the burden of

Where is Veerana's 'ghost Jasmine'? She suddenly disappeared 36 years ago, this is how the actress is living her life today

You must remember the ghost Jasmine from Veerana movie released in 1988? Jasmine became a star overnight with this horror movie. But Jasmine Dhunna, famous for her boldness, despite becoming a star, suddenly disappeared from films and never acted again. Let's find out where and what she is doing today. Jasmine Dhunna became popular with Veerana- Jasmine made her debut with Vinod Khanna- Jasmine has been living in obscurity for 36 years



Ramsay Brothers' produced and directed movie Veerana is one of the most haunted movies till date. It is one of the highest grossing movies of 1988. On one hand, the success of Veerana filled the pockets of Ramsay Brothers with money, on the other hand, Jasmine Dhunna, who played the role of ghost Jasmine in the film, became a

star overnight. Even big heroines failed in front of the beauty of Jasmine Dhunna, who had milk-white complexion, blue eyes and beautiful features. She entered films at the age of just 13. Her first film was Sarkari Mehmaan in which she shared the screen with Vinod Khanna. Then she appeared in the film Divorce. Jasmine Dhunna disappeared after Veerana. Jasmine Dhunna, who was in the film world for 9 years, also did modeling. Her luck shone with Ramsay Brothers' film Veerana. In this film, Jasmine played the role of a woman who is under the control of a ghost and seduces men and kills them. Jasmine, famous for bold scenes, became a hit with the movie Veerana. People were impressed by her beauty. But suddenly she disappeared from films. After Veerana, while producers and directors were desperate to cast Jasmine Dhunna, the actress disappeared from the industry without telling anyone. Even today, the mystery of why she went into oblivion has not been solved. Beauty itself became a problem? - It is said that underworld don Dawood Ibrahim was enamoured by Jasmine Dhunna's beauty. There were reports that Dawood had started harassing her and fed up with this, the actress had also lodged a complaint with the police, but nothing happened. At the same time, Ramsay Brothers had revealed in an interview to Hindustan Times in 2017 that she had quit films after her mother's death. However, the actress herself did not reveal the reason why she left films. Where is Veerana's Jasmine today? - Away from films, Jasmine lives in America today and is running her own business. She also keeps coming to Mumbai. This was revealed last year by Veerana actor Hemant Birje himself. In an interview given to Bollywood Thikana, Hemant Birje had told that he talks to Jasmine and she is very happy today. The actor had said about her, "Suddenly she disappeared. A few years ago I called her, then she called me the next day and said that she has brought a lot of clothes for me but I could not go to her." Hemant Birje had further told, "She also lives in Versova, Mumbai, but mostly she lives in America. She has her own business." He also said that Jasmine has no intention of coming back to films.

Radhika Madan would have been the heroine of Student of the Year 2, but this one mistake ruined her dreams

B-Town's beautiful actress Radhika Madan has recalled the worst audition of her career. The actress has revealed that she got a chance to audition for Karan Johar's Student of the Year 2 but she was not selected. She has also shared her audition experiences of Pataakha and Angrezi Medium. Radhika Madan made her debut with Pataakha movie - Tiger, Tara

and Ananya were seen in Student of the Year 2 Radhika Madan has also shown her magic on TV Radhika Madan, who has traveled from TV to Bollywood, needs no introduction today. In the year 2014, she started her career with the TV show Meri Aashiqui Tum Se Hi and today she is earning fame with her acting in Bollywood films and series. Radhika Madan always wanted to work in films. After TV, she



auditioned for many films, but she was not selected. But Pataakha and Angrezi Media changed her fate. In these films, she caught people's attention with her strong acting. However, before this she had lost a big film due to a bad audition. Student of the Year 2 slipped out of her hands- Radhika Madan has revealed in a recent interview that she had gone to audition for Karan Johar's film Student of the Year 2, but was not selected. Actually, Radhika was so excited and nervous to audition for this film that she prepared for it day and night. But she fell ill before the audition. Radhika Madan fell ill- In a conversation with Filmfare, Radhika Madan said, "I got a very big audition. It was for Student of the Year 2. I prepared myself a lot. I was preparing so much that it was not even a two-page scene, I read it even in my sleep. I prepared myself so much that I fell ill before the audition. I had fever, I had cold and I gave the worst audition of my life. I was very upset." Lesson learned from bad audition- After giving a bad audition in Student of the Year 2, Radhika Madan learned a lesson from it and decided to live it without getting scared and upset. Just two weeks after this film, she got a chance to audition for Pataakha and it was Vishal Bhardwaj's film. The actress had no expectations from this film, but she gave the audition boldly and she got selected. She was selected in Angrezi Medium also because of giving a bold audition.

'People of Punjab will also like it,' Kangana Ranaut predicts about Emergency

Emergency Release Bollywood actress and MP Kangana Ranaut's name is currently in the news for her upcoming movie Emergency. The court has currently banned the release of this



movie. Now Kangana has spoken openly on the stage of Jagran about Emergency. Let's know what the actress has said. Actress Kangana Ranaut, who became an MP by waving the flag of victory in the Lok Sabha elections 2024, is soon going to be seen in the film Emergency. But the release of this movie has been postponed by the court for the time being. In the past, there was a lot of controversy about this film and the censor board did not pass it. Due to which Emergency could not be released on time. Now Kangana Ranaut has spoken openly on the stage of Jagran about her movie and told when Emergency can be released. Along with this, the actress also said that the people of Punjab will like it. Kangana Ranaut spoke about Emergency- Recently, Kangana Ranaut participated as a guest in Dainik Jagran's Hindi Samvadi in Delhi University. During this, she also discussed the release of Emergency. She told- Our film will be released soon. It has been cleared and we are all just waiting for the certificate from the censor board. 18th September is eagerly awaited, because the controversy that heated up about the film on that day is to be heard. After that everything will be clear. You all will like the film. Not only this, especially the people of Punjab will also like it. In this way, Kangana Ranaut has given a big update about the film Emergency. It is known that Kangana has not only worked as an actress in this movie, but also as a director. The controversy over Emergency increased further when the Sikh community objected to the movie and filed a petition in the court. Emergency on the chapter of Emergency- From the title of Kangana Ranaut's film, it is clear on which issue the story of this movie is based. Actually, in this film, the period of Emergency imposed in the year 1975 during the government of former Prime Minister Indira Gandhi will be shown.